हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 342, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 जून, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

लूप लाइन पर खड़ी थी मालगाड़ी, फिर भी कोरोमंडल एक्सप्रेस को मिला ग्रीन सिग्नल

ओडिशा ट्रेन हादसे पर बड़ा खुलासा: सिग्नलिंग के साथ कुछ समस्या रही है

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने ओडिशा ट्रेन हादसे को लेकर बड़ा खुलासा किया है। बोर्ड ने कहा कि सिर्फ कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे का शिकार हुई थी, जबकि मालगाड़ी लूप लाइन में खड़ी थी। रेलवे बोर्ड के संचालन और व्यवसाय विकास सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने बताया कि मालगाड़ी लूप लाइन पर खड़ी थी, इसके बावजूद कोरोमंडल एक्सप्रेस को ग्रीन सिग्नल मिला। इसके चलते कोरोमंडल ट्रेन पटरी से उतर गई। उन्होंने बताया कि रेलवे ने हादसे के बाद सबसे पहले राहत और बचाव कार्य किया, जिसके बाद मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। बाहानागा स्टेशन पर 4 लाइनें हैं। इसमें दो मेन लाइन है। लूप लाइन पर एक मालगाड़ी थी। स्टेशन पर ड्राइवर को ग्रीन सिग्नल मिला था। दोनों गाड़ियां अपने पूरे गति पर चल रहीं थी। प्रारंभिक जांच में लग रहा है कि सिग्नल में गड़बड़ी हुई है। घटना की चपेट में सिर्फ कोरोमंडल एक्सप्रेस आई थी। जया वर्मा ने कहा कि प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार, "सिग्नलिंग के साथ कुछ समस्या रही है। हम अभी भी रेलवे सुरक्षा आयुक्त से विस्तृत रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केवल कोरोमंडल एक्सप्रेस दुर्घटना का शिकार हुई। ट्रेन लगभग 128 किमी/घंटे की गति से चल रही थी।" उन्होंने आगे कहा कि कोरोमंडल एक्सप्रेस की पटरी से उतरी बोगियां यशवंतपुर एक्सप्रेस की आखिरी दो बोगियों से टकराई हैं।

कोरोमंडल एक्सप्रेस की पटरी से उतरी बोगियां डाउनलाइन पर आ गईं और यशवंतपुर एक्सप्रेस की आखिरी दो बोगियों से टकरा गईं, जो डाउनलाइन से 126 किमी/घंटा की रफ्तार से गुजर रही थी। मालगाड़ी पटरी से नहीं उतरी। चूंकि मालगाड़ी लौह अयस्क ले जा रही थी, इसलिए सबसे ज्यादा नुकसान कोरोमंडल एक्सप्रेस को हुआ। बड़ी संख्या में लोगों की मौत और घायल होने का यही कारण है।

जया वर्मा सिन्हा ने कहा कि 'कवच' भारत में बनाया गया सिस्टम है। आने वाले भविष्य में हम इसका निर्यात भी कर सकेंगे। ये रेल की सुरक्षा से संबंधित है। इसलिए हमने इसकी कड़ी टेस्टिंग की है। रेल मंत्री ने खुद ट्रेन में बैठ कर इसकी जांच की है। इस यंत्र को सभी लाइनों और ट्रेनों में लगाने में समय और पैसा लगेगा। ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप जेना ने बताया कि कल रेलवे ने साझा किया था कि मरने वालों की संख्या 288 हो चुकी है। कल रात DM और उनकी पूरी टीम ने एक-एक शव की जांच की। DM द्वारा डेटा की जांच की गई और पाया गया कि कुछ शवों की दो बार गिनती की गई है, इसलिए मरने वालों की संख्या को संशोधित कर 275 कर दिया गया है। 1,175 घायलों में से 793 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

शादी समारोह में पहुंचे अखिलेश यादव तो हुई भगदड़ की स्थिति, सपा कार्यकताओं की उमड़ी भारी भीड़

आजमगढ़। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का रविवार को आजमगढ़ जिले के बैठौली में लक्ष्मण यादव के यहां शादी समारोह में आगमन हुआ। उनके पहुंचते ही सपा कार्यकताओं में भगदड़ मच गई। इस दौरान कार्यकताओं की पुलिस से धक्कामुक्की भी हुई। वर-वधू को आशीर्वाद देने के बाद अखिलेश यादव सठियांव के लिए रवाना हो गए। उन्होंने मीडिया से दूरी बनाकर रखी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आगमन की सूचना से सुबह से ही सपा के कार्यकर्ता बैठौली में डा. लक्ष्मण यादव के घर पर जमा हो गए थे। दोपहर तक कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ गई। सपा प्रमुख के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन की ओर से पुलिस बल की व्यवस्था की गई थी। हालांकि वह नाकाफी साबित हुआ। जैसे ही अखिलेश यादव का काफिला डा. लक्ष्मण यादव के घर पहुंचा तो कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे। सभी में अखिलेश यादव की एक झलक पाने की होड़ मच गई। इस चक्कर में अफरातफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की जाने लगी। हर कोई अखिलेश यादव के पास पहुंचना चाहता था। काफी मशक्कत के बाद पुलिस कार्यकताओं को अंदर जाने से रोकने में कामयाब हुई।

टिफिन सहभोज में सामान्य कार्यकर्ता की तरह दिखे सीएम योगी, खुद अपना टिफिन लेकर आए थे मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पार्टी के हर अभियान और उससे जुड़े दिशानिर्देशों का एक समर्पित कार्यकर्ता की तरह अनुसरण करते हैं। रविवार को सिविल लाइंस के गोकुल अतिथि भवन में शहर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक सह टिफिन पर चर्चा में भी उनकी यह प्रतिबद्ध भूमिका नजर आई। भाजपा नेतृत्व से पूर्व जारी दिशानिर्देश के मुताबिक अन्य कार्यकताओं की भांति मुख्यमंत्री भी अपने साथ टिफिन लेकर आए थे। बैठक में संबोधन समाप्त होने के बाद उन्होंने खुद टिफिन बॉक्स खोलकर कार्यकताओं के साथ सहभोज कर उन्हें आह्लादित कर दिया। मोदी सरकार के 9 वर्ष के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक के आखिरी दौर में टिफिन सहभोज का आयोजन पहले से तय था। शहर विधानसभा क्षेत्र की बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी एक सामान्य कार्यकर्ता की भांति अपना टिफिन लेकर आए थे। कार्यकताओं का मार्गदर्शन करने के बाद सहभोज शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री भी अपनी कुर्सी पर टिफिन खोलकर बैठ गए। मुख्यमंत्री को बिना प्लेट के टिफिन बॉक्स में ही खाना खाते देखकर अन्य कार्यकर्ता उन्हें हर्षमिश्रित अचरज भरी निगाहों से निहार रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, नीलम सोनकर, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, विधायक विपिन सिंह समेत अन्य सभी कार्यकताओं ने अपनी कुर्सियों पर बैठकर टिफिन सहभोज किया।

कड़ी सुरक्षा के बीच बदरीनाथ धाम पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री, मंदिर समिति ने किया भव्य स्वागत

जौलीग्रांट (देहरादून)। बागेश्वर धाम के मुखिया पंडित धीरेंद्र शास्त्री भगवान बदरीविशाल के दर्शन करने पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच बदरीनाथ धाम पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री का मंदिर समिति की ओर से स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान बदरीनाथ का आशीर्वाद लिया। विशेष चार्टड प्लेन से सुबह देहरादून जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट से वो कड़ी सुरक्षा के बीच बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुए। धीरेंद्र शास्त्री विशेष विमान में सवार होकर सुबह 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचे थे। रविवार सुबह एयरपोर्ट पर उनके पहुंचते ही उनके साथ फोटो खिंचवाने को भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन उनकी कड़ी सुरक्षा के कारण कुछ लोग ही उनके साथ फोटो खिंचवा पाए। जिसके बाद वह एयरपोर्ट से रवाना हो गए। उनके कार्यक्रम को गोपनीय रखा गया था। जिस कारण उनके एयरपोर्ट आने के बाद ही एयरपोर्ट कर्मियों को पता चला। लंबे समय से चर्चा में बने हुए मध्य प्रदेश के बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री इससे पहले उत्तराखंड पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट एक वीडियो में उन्होंने बताया था कि वे दो से तीन दिन की यात्रा पर हैं। इसकी कड़ी में वे उत्तराखंड आए हैं। उनका कहना है कि वे उत्तराखंड के संतों को बागेश्वर धाम में होने वाले आयोजन का आमंत्रण देने आए हैं। वहीं,उन्होंने आचार्य बालकृष्ण से मुलाकात भी की है। इस दौरान उन्होंने अपने विरोधियों को नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि 'मिलकर सनातन का झंडा गाड़िए, कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे'।

इंडिगो फ्लाइट की गुवाहाटी में इमरजेंसी लैंडिंग, केंद्रीय मंत्री भी थे सवार, डिब्रूगढ़ जाते समय आई तकनीकी खामी

गुवाहाटी। असम में गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट रविवार सुबह टेक-ऑफ के कुछ ही मिनटों के भीतर वापस गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लौट आई। विमान में एक केंद्रीय मंत्री और राज्य के दो भाजपा विधायक सवार थे। फ्लाइट संख्या 6ए2652 ने सुबह करीब 8.40 बजे गुवाहाटी से उड़ान भरी और करीब 20 मिनट के भीतर वापस एयरपोर्ट लौट आई। विमान के वापस लौटने की वजह तकनीकी खराबी बताई जा रही है। यात्रियों में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली और असम में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो विधायक प्रशांत फुकन और तेरोश गोवाला शामिल थे। गुवाहाटी में उतरने के तुरंत बाद विमान के सभी यात्रियों को उतार दिया गया और विमान को निरीक्षण के लिए भेज दिया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने पुष्टि की कि विमान वापस आ गया है और गुवाहाटी में उतरा है, लेकिन कारणों को बताया नहीं गया। मामले में इंडिगो के अधिकारियों से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

मंदिरों में दर्शन के समय मर्यादित कपड़े पहने, अध्यक्ष बोले-पर्यटन व धार्मिक यात्रा का फर्क समझें

देहरादून। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि प्रत्येक धार्मिक स्थल की अपनी परंपरा और मयार्दा होती है। उसी के अनुरूप वहां मर्यादित आचरण करना चाहिए और मर्यादित वस्त्र पहनकर आना चाहिए।अजेंद्र अजय ने यह बात महानिवार्णी अखाड़े के एक बयान से जुड़े प्रश्न पर कही। मीडियाकर्मियों ने उनसे पूछा था कि महानिवार्णी अखाड़े ने यह कहा है कि यदि स्त्री-पुरुष मंदिरों में आ रहे हैं तो उनका 80 प्रतिशत शरीर ढका होना चाहिए। सभी को मयार्दा का ख्याल रखना चाहिए। अजेंद्र ने इस प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रत्येक धार्मिक स्थल की अपनी मान्यताएं और मयार्दाएं होती हैं। उसी माहौल के अनुरूप आचरण और वेशभूषा होनी चाहिए। पर्यटन और धार्मिक यात्रा के फर्क को समझना होगा। स्वाभाविक रूप से यदि आप धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा रहे हैं तो आपकी वेशभूषा मर्यादित होनी चाहिए। यह उन धार्मिक स्थलों के लाखों-करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ा विषय है, जहां आप यात्रा पर जा रहे हैं। धार्मिक स्थलों की मान्यता से छेड़छाड़ करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। मर्यादित आचरण, व्यवहार और वस्त्र पहनकर ही वहां जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की संपत्ति पर राज्य में और राज्य से बाहर अतिक्रमण और अवैध कब्जे हैं। इन्हें हटाने के लिए 188 लोगों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। उन्हें परिसंपत्तियों को शीघ्र खाली करने की चेतावनी जारी कर दी गई है। ऐसा न करने पर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई होगी। जिन लोगों में मंदिर संपत्तियों के किराये का लंबे समय से भुगतान नहीं किया, उन्हें भी नोटिस जारी किए गए। ऐसे किरायेदारों से 22 लाख रुपये की वसूली हो चुकी है। राज्य से बाहर की परिसंपत्तियों की भी रिपोर्ट मांगी गई है। इसका विधिक परीक्षण कराने के बाद समिति कार्रवाई करेगी।

'24 घंटे बीते, फिर भी जवाबदेही नहीं हुई तय' प्रियंका गांधी का केंद्र सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। ओडिशा के बालेश्वर में हुए रेल हादसे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ हमलावर रुख अपना रखा है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए हादसे के लिए जवाबदेही तय करने को कहा है।

24 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई नहीं- प्रियंका गांधी ने कहा- उड़ीशा में भयावह ट्रेन दुर्घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी किसी पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है न ही किसी की जवाबदेही तय की गई है। उन्होंने इसी के साथ पीएम से रेल मंत्री का इस्तीफा लेने की मांग की।

ओडिशा रेल हादसे के बाद, आज रेलवे बोर्ड ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि सिग्नलिंग के साथ कुछ समस्या थी और केवल कोरोमंडल एक्सप्रेस बालासोर में दुर्घटना का शिकार हुई है। बोर्ड ने कहा कि इस हादसे में 288 नहीं, 275 यात्रियों की जान गई है। राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेलवे बोर्ड के संचालन और व्यवसाय विकास सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने कहा कि प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार, सिग्नलिंग के साथ कुछ समस्या रही है। अभी रेलवे सुरक्षा आयुक्त की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केवल कोरोमंडल एक्सप्रेस ही मालगाड़ी से टकराई थी।

'कांग्रेस नहीं भारत के लोग ही भाजपा को धूल चटाएंगे', न्यूयॉर्क में राहुल गांधी ने किया बड़ा दावा

न्यूयॉर्क। राहुल गांधी अपने अमेरिका दौरे पर लगातार केंद्र की भाजपा सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। अब अपने ताजा बयान में राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने भाजपा को धूल चटाई है, उसी तरह से तेलंगाना और अन्य राज्यों में भी कांग्रेस, भाजपा को हराएगी। राहुल गांधी ने कहा कि ना सिर्फ कांग्रेस पार्टी बल्कि देश के लोग भाजपा की नफरत भरी विचारधारा को हराएंगे। वॉशिंगटन और सैन फ्रांसिस्को के बाद राहुल गांधी न्यूयॉर्क पहुंचे। जहां शनिवार को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस-यूएसए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि 'हमने कर्नाटक में यह करके दिखाया है कि हम भाजपा को हरा सकते हैं। हमने ना सिर्फ भाजपा को हराया बल्कि उसे धूल में मिला दिया।' राहुल गांधी ने कहा कि 'कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने सारे उपाय किए। उनके पास मीडिया था, हमारे मुकाबले 10 गुना ज्यादा पैसे थे, एजेंसियां थी लेकिन उसके बावजूद हमने उन्हें हरा दिया। मैं बताना चाहता हूं कि अब तेलंगाना के चुनाव में भी हम उन्हें हराएंगे।' राहुल गांधी रविवार को ही मैनहेट्टन में एक रैली भी करेंगे। न्यूयॉर्क के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव के बाद तेलंगाना में भाजपा को ढूंढना मुश्किल हो जाएगा। इस कार्यक्रम में भारतीय मूल के समुदाय के अलावा न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स भी मौजूद थे। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि ना सिर्फ तेलंगाना में बल्कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भी हम कर्नाटक जैसा प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि इस साल के अंत में भारत में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले होने वाले ये विधानसभा चुनाव काफी अहम माने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी नहीं है जो भाजपा को हराएगी बल्कि ये भारत के लोग हैं, मध्य प्रदेश के लोग हैं, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के लोग हैं, जो भाजपा को हराएंगे। भारत समझ चुका है कि जिस तरह से भाजपा समाज में नफरत बढ़ा रही है, उससे देश आगे नहीं बढ़ सकता। राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भी जीत दर्ज करने का दावा किया। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष एकजुट है। यह विचारधारा की लड़ाई है, एक तरफ भाजपा की बांटने वाली विचारधारा है और दूसरी तरफ कांग्रेस की एकता और प्यार बढ़ाने वाली विचारधारा है। गांधी ने कहा कि भाजपा ने कर्नाटक में भी ध्रुवीकरण की कोशिश की थी, खुद प्रधानमंत्री ने ऐसा करने की कोशिश की लेकिन इसने काम नहीं किया। कर्नाटक का चुनाव बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लड़ा गया।

सीतापुर में भीषण हादसा, अज्ञात वाहन ने वैन में मारी टक्कर, दो की मौत, नौ घायल

कसमंडा (सीतापुर)। हाईवे पर ककैया पारा गांवा के पास रविवार की सुबह छह बजे वैन में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल ले जाया गया। वैन सवार एक ही परिवार के हैं। सभी मऊ में एक शादी समारोह में शामिल होकर बदायूं लौट रहे थे। हादसे में बदायूं के दातागंज के बेहटा निवासी रामलखन, पढुआ के रवि, दातागंज के अरुण, शेखर, सूरज, मीरा, नेहा, निशा, मधु, अजय, मऊ के थाना कोपा के देवकली के गुलशन जख्मी हो गए। सभी को जिला अस्पताल भेजा गया। वहां रामलखन व रवी को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे में घायलों के अनुसार वह मऊ जिले में रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। शादी के बाद सभी बदायूं लौट रहे थे। रास्ते में हादसा हो गया। थानाध्यक्ष कमलापुर सतीश चंद्र ने बताया अज्ञात वाहन ने वैन में टक्कर मारी है। हादसा सुबह छह बजे हुआ है। सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया, वहां दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। शेष नौ लोग अस्पताल में भर्ती हैं। सभी शादी समारोह से लौट रहे थे। किस वाहन से हादसा हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

संपादकीय

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था। महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे। यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

पहलवानों पर अपराधिक साजिश और फजीर्वाड़े का मुकदमा?

भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष और भाजपा के सांसद, बृजभूषण शरण सिंह को बचाने के लिए सरकार ने पूरी ताकत लगा दी है। अंग्रेजों ने जो कानून बनाए थे। वह कानून अंग्रेजों को पूरी तरीके से सुरक्षित कवच उपलब्ध कराने का काम करते थे।वह कानून और वह मानसिकता आज भी वर्तमान शासकों में बनी हुई है।उस सोच में कोई बदलाव नहीं आया है, यह स्पष्ट है।किसी भी महिला को यौन उत्पीड़न की शिकायत करना उसके जीवन की सबसे ज्यादा कष्टप्रद स्थिति होती है। सामाजिक व्यवस्था में महिला के यौन संबंधों के आधार पर उसका पूरा जीवन टिका होता है। सीता मैया जैसी सती को अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ा था, यह सत्य है।पिछले कई वर्षों से भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण कर रहे थे। जो लड़कियां कुश्ती जैसे खेल में अपना प्रदर्शन कर रही थी।उन्होंने अपने परिवार को किस तरह कुश्ती के खेल और घर से बाहर निकलने के लिए मनाया होगा।उन्हें किस तरह से माता-पिता की अनुमति मिली होगी। यह भारतीय सामाजिक व्यवस्था में आसानी से समझा जा सकता है। खेल के मैदान में जब कुश्ती संघ के अध्यक्ष ही उनके भविष्य को बनाने और बिगाड़ने के लिए यौन उत्पीड़न के हथियार का उपयोग करें। ऐसी स्थिति में उसके लिए या तो एक और कैरियर होता है। कैरियर के लिए यौन उत्पीड़न से समझौता कर आगे बढ़ जाती हैं। दूसरे विकल्प के रूप में यदि वह विरोध करती हैं, तो बदनामी का डर होता है। दूसरे विकल्प में उसके हाथ में कुछ नहीं आता है। विरोध करने पर सारे लोग वैसे ही आक्षेप महिला पर लगाते हैं, जैसे आज लग रहे हैं। इन महिला खिलाड़ियों ने वैश्विक पदक जीतने के बाद, उन्हें यह भरोसा हो गया, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें अपनी बेटी मानते हैं। सारा देश उन्हें विश्व विजेता के रूप में देख रहा है। ऐसी स्थिति में उन्हें अब न्याय मिल सकता है। महिला खिलाड़ियों के साथ जो अन्याय हो रहा है। इसके खिलाफ उनमे आवाज उठाने की हिम्मत आई। लेकिन महिला खिलाड़ी भूल गई थी, कि उनसे भी ताकतवर शख्स जो भारतीय जनता पार्टी को 5 लोकसभा सीटें जिता सकता है। कई बार का सांसद है। उसके सामने उनकी और उनके मेडल की कोई हैसियत सरकार के लिए नहीं है। भारतीय दंड संहिता में जिस तरह से जांच एजेंसियाँ जांच करती हैं, अपने हिसाब से मुकदमा तैयार करना उनके लिए आसान होता है। जांच एजेंसी ने गलत तरीके से जांच की है। तथ्यों को अनदेखा किया है। उसकी कोई जिम्मेदारी उसके विवेक पर आधारित होती है। जांच एजेंसी ने किसी को फंसाया है, जांच में तथ्यों को अनदेखा किया है, किसी को बचाने का प्रयास किया है। यह प्रमाणित हो जाता है,तो भी उसको बचाने की पूरी कोशिश सरकार और न्यायालय द्वारा की जाती हैं। जिसके कारण शासक जैसा चाहते हैं। कानून का उपयोग वैसा कर पाते हैं। सरकार और जांच एजेंसी जिसे बचाना चाहती हो, जिसे फसाना चाहती है, वह उसके हाथ में होता है। ईडी सीबीआई और जांच एजेंसियों के बारे में यही शिकायतें बड़ी आम हो चली है। महिला पहलवानों के शिकायत की दिल्ली पुलिस जांच कर रही है। पाक्सो एक्ट में दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार यौन अपराध में पुलिस को तुरंत एफआइआर करनी चाहिए।यदि नाबालिग बच्ची के साथ यौन अपराध हुआ है। तो पाक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए। जांच कर मामले को न्यायालय के सामने पेश करना चाहिए। महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न की शिकायत 6 माह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की थी। उन्हें विश्वास था, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यौन उत्पीड़न से खिलाड़ियों को मुक्ति दिलाएंगे। लेकिन यहां पर भी महिला पहलवान कमजोर पड़ गए।पुलिस आरोपी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास जांच के नाम पर कर रही है। उसे गिरफ्तारी के बाद जांच करनी थी। सांसद बृजभूषण सिंह कितने ताकतवर हैं। इसका अंदाजा देश भर में सभी को हो गया है। वह खुलेआम अपने आप को बचाने के लिए जिस तरह का दबाव, खिलाड़ियों के माता-पिता और उन्हें समर्थन देने वाले लोगों के विरुद्ध खुलेआम कर रहे हैं।लड़की के चाचा को लाकर मीडिया में उससे बयान दिलवा रहे हैं। जाट और खाप पंचायतों को खुलेआम धमकाने का काम सांसद कर रहा है। अपने आप को बचाने के लिए संतों की रैली और लाखों लोगों की भीड़ जुटाने की तैयारी कर रहा था। मीडिया खिलाड़ियों के आंदोलन और उनकी बातों को कवर नहीं किया। आरोपी को बचाने का काम मीडिया करता रहा जो उसके सामर्थ्य का प्रतीक है। पुलिस सब कुछ देखते हुए भी, कार्रवाई करने के स्थान पर आरोपी को खुला छोड़ रखा है। अब जांच के नाम पर पुलिस कह रही है, कि पहलवानों ने ब्रजभूषण की हरकतों से तंग आकर नहीं, बल्कि बृजभूषण सिंह को महासंघ के अध्यक्ष पद से हटवाने के मकसद से यौन शोषण के झूठे आरोप लगाए हैं। जो झूठे हैं। दिल्ली पुलिस, आरोपी बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करने के स्थान पर महिला खिलाड़ियों पर ही फजीर्वाड़ा और अपराधिक साजिश रचने का मुकदमा तैयार कर रही है। हो सकता है, जल्द ही महिला खिलाड़ी पुलिस की गिरफ्त में हों। अथवा गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी से समझौता करने के लिए विवश हों। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में ठीक ही कहा है, समरथ को नहिं दोष गुसाईं। जो सामर्थ्य में दोष देखते हैं। वह गलती करते हैं, वह मूर्ख होते हैं।समर्थ जो भी करना चाहता है, उसे करने दें, विरोध ना करें,क्योंकि वह समर्थ है। उससे लड़ने की क्षमता नहीं है, तो कमजोरी को अपना भाग्य मानकर उसे स्वीकार करने में ही भलाई है। यही संदेश दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार ने महिला खिलाड़ियों को देने का प्रयास किया है।इसका असर सारे देश की जनता पर पड़ना तय है। महिला खिलाड़ियों का हश्र देखकर शायद ही कोई भविष्य में बगावत करे। सत्ता और सामर्थ्य को बगावत पसंद नहीं होती है।

आरक्षण का मुद्दा मणिपुर से पहले कई और राज्यों को भी नुकसान पहुँचा चुका है

देश के राजनीतिक दल जब तक आरक्षण की आग में वोटों की रोटी सेकते रहेंगे, तब तक मणिपुर जैसे हादसे होते रहेंगे। आरक्षण की मांग को लेकर मणिपुर जल रहा है। मैतई समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हिंसा भड़की हुई है। इसमें कई लोगों की जानें जा चुकी हैं। दंगाइयों ने भारी संख्या में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है। मणिपुर में 16 जिले हैं। जिसमें से वैली 10 फीसदी है और यहां पर 53 प्रतिशत मैतेई समुदाय के लोग रहते हैं। इसके साथ ही 90 फीसदी पहाड़ी इलाका है और यहां पर 42 प्रतिशत कुकी, नागा के अलावा दूसरी जनजाति रहती है। गैर-जनजातीय मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को दिए गए निर्देश के बाद मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई।

1993 में भी मणिपुर में हिंसा हुई थी, तब एक दिन में नागाओं की तरफ से 100 से ज्यादा से ज्यादा कुकी समुदाय के लोगों को मार दिया गया। यह हिंसक घटना जातीय संघर्ष का परिणाम थी। अब एक बार फिर मणिपुर हिंसा से जूझ रहा है, 80 मौतें हो चुकी हैं। मणिपुर का मामला पहला नहीं है, जहां आरक्षण को लेकर बवाल हुआ है। इससे पहले भी आरक्षण को लेकर कई हिंसक आंदोलनों में देश जला है। ऐसे हिंसक आंदोलनों में देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ आग में देश कई बार झुलस चुका है। पहली बार मंडल कमीशन की सिफारिशों को 1990 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने लागू किया तो देश में सवर्ण समुदाय के लोग इसके विरोध में सड़क पर उतर आए। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुआ। इसके विरोध में आत्मदाह और ऐसी कई घटनाएं सामने आईं। कई जगह आगजनी और तोड़फोड़ तक हुई। वर्ष 2016 में हुए जाट आंदोलन के दौरान काफी हिंसा हुई थी। आंदोलनकारियों ने जाट समुदाय को ओबीसी में शामिल करने की मांग को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन किया था। हरियाणा में जमकर हिंसा, आगजनी व तोड़-फोड़ हुई थी। इस हिंसक आंदोलन में 30 लोगों की जान चली गई। गुजरात में पाटीदार समुदाय के लोगों ने ओबीसी में शामिल करने को लेकर 2015 में सबसे बड़ा प्रदर्शन किया था। गुजरात में हिंसा और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इलाके में कर्फ्यू लगाना पड़ गया था। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया था।

हरियाणा के जाट आरक्षण आंदोलन में करीब 35 हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। देश में अब तक आरक्षण आंदोलन से लाखों करोड़ का नुकसान हो चुका है। राजनीतिक दल इसकी भरपाई भी देश के आम लोगों से ही करते हैं। आरक्षित वर्ग भी इससे अलग नहीं है। आर्थिक नुकसान से भरपाई के लिए बढ़ाए गए टैक्स की मार उन पर भी पड़ती है। गुर्जर आंदोलन आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में गुर्जर समुदाय ने काफी दिनों तक प्रदर्शन किया था। आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक रेलवे ट्रैक को जाम रखा। इसका प्रभाव भी पूरे देश पर पड़ा था। पुलिस और आंदोलनकारी आमने-सामने आ गए थे। इस आंदोलन के दौरान गोलीबारी की भी घटना सामने आई थी। इसमें 20 लोगों की जान चली गई थी। महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन काफी चर्चा में रहा है। आंदोलनकारियों ने हिंसक झड़प में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं को अंजाम दिया था। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में निषाद आरक्षण आंदोलन के चलते एक सिपाही को अपनी जान भी गंवानी पड़ी थी।

विकास की बजाए आरक्षण राजनीतिक दलों के सत्ता पाने का आसान रास्ता बना हुआ है। देश में आरक्षण के हिंसक इतिहास के बावजूद राजनीतिक दल इसे खोना नहीं चाहते। देश के करीब आधा दर्जन राज्य ऐसे हैं, जो 50 फीसदी आरक्षण का दायरा बढ़ाने के पक्ष में खड़े हैं, ताकि उनका राजनीतिक और सामाजिक समीकरण मजबूत हो सके। इनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, झारखंड और कर्नाटक जैसे राज्य शामिल हैं। कर्नाटक ने भी आरक्षण बढ़ाया था। इसके अलावा बिहार, मध्य प्रदेश और अब छत्तीसगढ़ में भी आरक्षण बढ़ाने की मांग ने जोर पकड़ा हुआ है। इतना ही नहीं राजनीतिक दल वोटों की खातिर नौकरियों में भी अपने राज्य के लोगों के लिए आरक्षण लागू करने में पीछे नहीं रहे हैं। राज्यों में निवासियों के लिये रोजगार आरक्षण विधेयक लाया गया है। ऐसा करने वाला झारखंड देश का सातवां राज्य है। इससे पहले आंध्र प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार में भी यह नियम लागू किया गया है। देश की एकता-अखंडता और सौहार्द की बजाए राजनीतिक दलों की किसी भी सूरत में सत्ता पाने की महत्वाकांक्षा ने खून-खराबे, तोड़फोड़ और हिंसा को जन्म दिया है। आरक्षण आंदोलनों से न सिर्फ हजारों करोड़ की सरकारी-गैर सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ है, बल्कि देश में जातिवाद की जहरीली जड़ों को सींचने का काम किया गया है। हकीकत में राजनीतिक दलों का पिछड़ी और दलित जातियों की भलाई से सरोकार नहीं है। यदि ऐसा होता तो आजादी के 75 साल बाद देश में आरक्षण के नाम पर राजनीति नहीं हो रही होती। दलितों और पिछड़ों तथा अन्य समुदायों के लिए विशेष योजनाओं को लागू करके इन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करने के गंभीर प्रयास करने की बजाए राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए देश के आंतरिक विभाजन को हवा दी है।

सत्ता के लिए यह रास्ता राजनीतिक दलों को ज्यादा आसान लगता है। जरूरतमंदों के लिए योजनाएं बना कर क्रियान्वित करना टेढ़ी खीर है। भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ पिछड़े और दलितों तक नाममात्र का पहुंच पाता है। यही वजह भी है कि आरक्षण के साथ ही राजनीतिक दल चुनाव के दौरान धनबल से अपने राजनीतिक मंसूबे पूरा करने के प्रयास करते रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा जब्त की जाने वाली हजारों की राशि इसका प्रमाण है। राजनीतिक दलों ने आरक्षण के जरिए सत्ता प्राप्ति का छोटा रास्ता निकाला हुआ है। आरक्षण की बहती गंगा में हाथ धोने से किसी भी दल को गुरेज नहीं है। बेशक यह रास्ता देश में सामाजिक भेदभाव, कटुता और दूरियां बढ़ाने वाला ही क्यों न हो, किन्तु राजनीतिक दलों को यह मुफीद लगता है। यह निश्चित है कि देश के राजनीतिक दल अपने क्षुद्र स्वार्थों से ऊपर उठकर जब तक समग्र रूप से देशहित की नीतियां नहीं अपनाएंगे तब तक मणिपुर जैसे शर्मनाक हादसे होते रहेंगे।

पर्यावरण सुरक्षा की जिम्मेदारी ले समाज

वर्तमान में पर्यावरण सुरक्षा की चिंता पूरे विश्व में की जा रही है, लेकिन यह चिंता धरातलीय रूप लेने में सक्षम नहीं हो रही है। इस कारण जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुए, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा?

देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधारोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा।

वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़ पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं।

वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। जबकि सच यह है कि शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

स्वदेश सेवा संस्थान के स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

प्रखर प्रयागराज। प्रयागराज के झालवा में स्थित एमजीएम हॉस्पिटल व स्वदेश सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रक्त दान कैंप का आयोजन किया गया।कैंप में स्वदेश सेवा संस्थान के कई सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और उपास्थित कई लोगो को मानसिक रूप से तैयार करने का प्रयास किया। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग रक्त दान कर सकें। एमजीएम अस्पताल के सभी कर्मचारियों ने भी रक्तदान में हिस्सा लिया। लगभग एक सौ से ज्यादा लोगो ने रक्तदान में हिस्सा लिया। सभी रक्तदाताओं को इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन चेरिटेबल ब्लड बैंक सेंटर प्रयागराज द्वारा उपहार भेंट किया गया।

16 से 22 जून तक गोवा में होनेवाले वैश्विक हिन्दू राष्ट्र महोत्सव के उपलक्ष्य में

कश्मीरी हिन्दुओं पर अत्याचार का भीषण सत्य प्रस्तुत करनेवाली दी कश्मीर फाइल्स के उपरांत द केरला स्टोरी फिल्म वर्तमान में भारत में जोरदार चर्चा का विषय बन गया है । इस फिल्म के कारण धर्मांधों के चंगुल से हिन्दू युवतियों की रक्षा के लिए हिन्दुओं को जागृत होना, धर्मशिक्षा लेना एवं धर्मरक्षा करना कितना आवश्यक है, इसका महत्त्व ध्यान में आया है । विशेष बात यह है कि इस समस्या का मूल और धर्मांध शक्तियों द्वारा संपूर्ण जगत में चलाए जा रहे लव जिहादका षड्यंत्र समाज के सामने

हिन्दुओं की आवाज बुलंद करनेवाला हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन !

उजागर हो गया है । इस षड्यंत्र की दाहकता इतनी तीव्र है कि उसे उजागर करनेवाला द केरल स्टोरी फिल्म देश में दिखाया न जाए; इसलिए विरोधी सीधे न्यायालय पहुंच गए । न्यायालय द्वारा इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग निरस्त किए जाने के उपरांत भी सदा की भांति विशिष्ट समाज का उदात्तीकरण करने के लिए तमिलनाडु एवं पश्चिम बंगाल राज्यों में राज्य सरकार ने इस फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है । अन्य राज्यों में भी सिनेमागृह (थियेटर) के मालिकों को धमकियां दी गईं हैं । इन सभी बाधाओं का सामना कर आज यह फिल्म वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित हो रहा है और उसे अच्छा प्रतिसाद भी मिल रहा है । इसका कारण है जागृत हो रहा हिन्दू मन ! स्वतंत्रता के उपरांत हिन्दू मन का ईसाईकरण, इस्लामीकरण के साथ ही निधर्मीकरण करने के लिए भरपूर प्रयत्न किए गए । इसलिए जन्म से हिन्दू; परंतु मन से एवं विचारों से अहिन्दुओं की लोकसंख्या में वृद्धि होने लगी; परंतु अब यह चित्र बदल रहा है और हिन्दू मन जागृत हो रहा है । स्वयं पर हो रहे अन्याय के विरोध को उजागर करने का धैर्य और साहस हिन्दुओं में जागृत हो रहा है । हिन्दू धर्मरक्षा के लिए सक्रिय होने के लिए प्रेरित हो रहे हैं । अब वे हिन्दुत्व की महिमा समझ गए हैं । आज देशभर में हिन्दू राष्ट्र का अभियान जोर पकड रहा है । यह जागृति होने में हिन्दुत्व संगठनों का संगठन करनेवाले अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन का विशेष योगदान है ।

आज हिन्दू जागृत होकर उस पर होनेवाले अन्याय के विरोध में आवाज उठा रहा है; परंतु हिन्दुओं द्वारा धर्मरक्षा के लिए दी हुई पुकार को हेट स्पीच कहते हुए हिन्दुत्वनिष्ठों को लक्ष्य किया रहा है । धर्मांध एवं साम्यवादियों द्वारा तथाकथित हेट स्पीचके अंतर्गत हिन्दुत्वनिष्ठों के भाषणों के विरोध में जनहित याचिका प्रविष्ट कर हिन्दुओं को लक्ष्य किया जा रहा है । भारत के टुकडे न हों, इस विषय में हिन्दुओं में जनजागृति करना क्या हेट स्पीच है ?, यदि हिन्दू अपना देश एवं धर्म बचाने के लिए बोले, तो क्या वह हेट स्पीच है ? वास्तव में हिन्दू संस्कृति में हेटको स्थान ही नहीं है । हिन्दुत्वनिष्ठों द्वारा किए गए वक्तव्यों के कारण कानून एवं सुव्यवस्था बिगड गई हो, ऐसी कोई भी घटना नहीं हुई है । तब भी प्रशासन पर दबाव डालकर देशभर में हिन्दुओं के विरोध में अपराध प्रविष्ट किए गए हैं । इसके विपरीत कुछ पंथों द्वारा सर तन से जुदाका आवाहन करते हुए अनेक हिन्दुत्वनिष्ठों की हत्या की जा रही है; परंतु उनके विरोध में तथाकथित आधुनिकतावादी, सेक्युलर अथवा

श्री. रमेश शिंदे

पीसवाले कोई याचिका प्रविष्ट करते दिखाई नहीं दिए । कुल मिलाकर पुलिस एवं न्याययंत्रणा को दिशाभूल कर हिन्दुओं के विरोध में चल रहा एक भयानक षड्यंत्र है ।

चुनावों में भी कुछ राजकीय पक्षों द्वारा हिन्दूविरोधी भूमिका अपनाई जा रही है । हाल ही में हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनावों के घोषणापत्र में काँग्रेस पक्ष ने मुस्लिम मतों के लिए चापलूसी करने हेतु बजरंग दलपर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की । विधानसभा चुनावों में विजय मिलने पर अब काँग्रेस गोहत्या बंदी, हिजाब बंदी आदि निर्णय पीछे लेने की तैयारी में है । धर्मांधों द्वारा अब सीधे हिन्दुओं के कार्यक्रम एवं उत्सवों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है । आगे जाकर क्रूरकर्मा टीपूका उदात्तीकरण आरंभ होगा । विद्यालय की पाठ्यपुस्तकों में आक्रमकों का इतिहास पुनः पढाने का निर्णय लिया जाएगा । कुल मिलाकर हिन्दुओं को पुनः संघर्ष करना होगा, ऐसी स्थिति है ।

वास्तव में भारत में हिन्दू अपने अस्तित्व की लढाई लढ रहे हैं । गत कुछ दशकों में निर्माण हुए अफगानिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यानमार, पाकिस्तान आदि देश भारत से तोड दिए गए । इनमें से अनेक इस्लामी राष्ट्र हो गए । वर्तमान में भारत का इस्लामीकरण एवं ईसाईकरण का प्रयोग शुरू है । इसलिए भारत के 9 राज्यों में हिन्दू अल्पसंख्यक हो गए हैं । वहां हिन्दुओं को दुय्यम नागरिक के रूप में देखा जाता है । हिन्दुओं पर अत्याचार बढ गए हैं, यह मणिपुर की हिंसक घटनाओं से पुनः एक बार सामने आया है । कुल मिलाकर इस देश के पुनः अनेक टुकडे कर देश का विभाजन किया जाएगा, इस धोके के विषय में हिन्दुओं को सजग रहना चाहिए । यदि भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित नहीं किया, तो भारत का इस्लामीकरण होने में देर नहीं लगेगी ।

हिन्दुओं के विरोध में किए जानेवाले इन विविध षड्यंत्रों को उजागर करने में अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशनोंका महत्त्वपूर्ण योगदान है । वर्ष 2012 में गोवा में पहला अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन संपन्न हुआ था । प्रथम अधिवेशन से लेकर आज तक हिन्दू राष्ट्र का उद्घोष, हिन्दूजागृति एवं हिन्दूसंगठन ही अधिवेशनों का उद्देश्य रहा है । पहले हिन्दू राष्ट्र कहते ही, उसकी ओर नकारात्मक एवं जातीय दृष्टि से देखा जाता था, परंतु आज गांव-गांव के हिन्दू भी हिन्दू राष्ट्र को समर्थन दे रहे हैं । इसका कारण है हिन्दू धर्म की सर्वसमावेशकता एवं विश्वकल्याणकारी संकल्पना ! अन्य पंथ काफिरों को मार डालने की बातें करते हैं अथवा संपूर्ण जग को ईसाई बनाने का स्वप्न देखते हैं । हिन्दू ही केवल विश्वकल्याण की कामना करते हैं । आज विदेशों में भी हिन्दुत्व के प्रति आकर्षण बढ रहा है और उसका कारण है हिन्दू धर्म का कल्याणकारी तत्त्वज्ञान ! हिन्दू धर्म पर हो रहे आघातों के विषय में जागृति करते हुए हिन्दू धर्म आचरण में लाने की दृष्टि से जागृति करने में भी अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

निधर्मी व्यवस्था में हिन्दुओं की रक्षा करनी हो, तो केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अपितु आंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दूसंगठन करना, काल की आवश्यकता है । अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन उस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण कदम है । इस अधिवेशन के माध्यम से भारत के संत महात्मा, हिन्दुत्ववादी संगठनों के पदाधिकारी, मंदिरों के विश्वस्त आदि की उपस्थिति में गोवा में अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है । इस अधिवेशन में हिन्दू राष्ट्र की दृष्टि से विचारमंथन होने के साथ ही हिन्दुत्व का कार्य करते समय आनेवाले अच्छे-बुरे अनुभवों का आदानप्रदान होता है, इसके साथ ही वर्षभर के लिए हिन्दुत्व के कार्य की दिशा निर्धारित की जाती है । देश-विदेश के 300 से भी अधिक अग्रणी हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों के सहभाग के कारण इस अधिवेशन के माध्यम से हिन्दू राष्ट्र को मूर्त स्वरूप में आने की प्रक्रिया घड रही है ।

इस बार भी 16 से 22 जून तक गोवा में एकादश (ग्यारहवें) अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन अर्थात वैश्विक हिन्दू राष्ट्र महोत्सव हो रहा है। उसमें लव जिहाद, हलाल सर्टीफिकेशन, लैंड जिहाद, काशी-मथुरा मुक्ति, धर्मांतरण, गोहत्या, मंदिर संस्कृति की रक्षा, कश्मीरी हिन्दुओं का उनकी मातृभूमि पर पुनर्वसन, पाकिस्तान एवं बांगलादेश के हिन्दुओं पर अत्याचार जैसे विविध जिहादी आक्रमणों के साथ ही हिन्दू राष्ट्र की नींव के लिए आवश्यक आगामी महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचारमंथन होगा, इसके साथ ही कृति की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी । इस अधिवेशन का हिन्दू जनजागृति समिति के यू-ट्यूब, फेसबुक एवं ट्वीटर अकाउंट पर, इसके साथ ही www.hindujagruti.org जाल स्थल पर लाईव प्रक्षेपण किया जानेवाला है। आजतक किए गए आंदोलनों में समस्त हिन्दुओं को मिल रही सफलता की पृष्ठभूमि पर यह अधिवेशन समस्त हिन्दुओं के लिए अत्यंत उत्साहपूर्ण होगा, इसमें कोई शंका ही नहीं है।

अध्ययन में दावा
इस असमानता की भरपाई के लिए तत्काल नीतिगत साधनों की वकालत की गई है

भारत में क्लाइमेट ट्रांजिशन की लागत और फायदे असमान रूप से वितरित

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में जलवायु परिवर्तन कम करने के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने (क्लाइमेट ट्रांजिशन) की अनुमानित लागत और फायदे विभिन्न क्षेत्रों में बहुत असमान रूप से वितरित हैं। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है जिसमें इस असमानता की भरपाई के लिए तत्काल नीतिगत साधनों की वकालत की गयी है। शोधकर्ताओं ने इस बात का संज्ञान लिया कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा में वृद्धि, कोयला आधारित बिजली उत्पादन में मामूली बदलाव करके और उत्सर्जन व्यापार के रूप में कार्बन मूल्य निर्धारण की योजना के लिए बड़े लक्ष्य के साथ 'क्लाइमेट ट्रांजिशन' की दिशा में पहला कदम उठा रहा है।

जर्मनी स्थित मर्केटर रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑन ग्लोबल कॉमन्स एंड क्लाइमेट चेंज (एमसीसी) के अनुसंधानकर्ता जोस ओर्डोनेज ने कहा, '29 राज्यों और सात केंद्रशासित प्रदेश वाले इस बड़े देश में पहले ही क्षेत्रीय संपदा संबंधी असमानताएं हैं।' फिलहाल स्पेन स्थित यूरोपीय संघ आयोग के ज्वाइंट रिसर्च सेंटर में कार्यरत ओर्डोनेज ने कहा, 'हम अलग-अलग भौगोलिक इकाइयों के लिए एक महत्वाकांक्षी 'क्लाइमेट ट्रांजिशन' के परिदृश्य का निर्धारण करते हैं, और आय वितरण, रोजगार तथा औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता पर संयुक्त प्रभाव की जांच करते हैं।'

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि इससे केंद्र सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आता है कि क्षतिपूर्ति के उपायों के बिना गरीब और धनवान क्षेत्रों के बीच का अंतराल बढ़ने का खतरा है। पत्रिका 'एनर्जी पॉलिसी' में प्रकाशित अध्ययन में नीतिगत उपायों के प्रत्यक्ष वितरण प्रभावों का खाका बनाने के लिए अनुभव आधारित आंकड़ों के साथ इनपुट-आउटपुट मॉडल का उपयोग किया गया।

शोधकर्ताओं का मानना है कि जलवायु संरक्षण की दिशा में एक व्यापक प्रयास होगा, जिसमें कोयले का उपयोग चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना, सौर और पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन का व्यापक विस्तार, निजी घरों और कंपनियों के लिए 40 डॉलर प्रति टन का राष्ट्रीय कार्बन मूल्य और ऊर्जा सब्सिडी का उन्मूलन शामिल हैं।

अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार 'बहुत नुकसानदेह' से 'बहुत अनुकूल' तक गुणात्मक पैमाने पर अलग-अलग क्षेत्रों पर इस पैकेज का समग्र प्रभाव महत्वपूर्ण है। अध्ययन में सामने आया कि कोयले के खनन में व्यापक रूप से शामिल पूर्वी भारत के पहले से अभावग्रस्त राज्यों में नकारात्मक प्रभाव दिखाई देते हैं जिनमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में नौकरियां चली जाएंगी, गरीब परिवारों पर बोझ पड़ेगा और अधिक ऊर्जा खपत वाले उद्योग दबाव में आ जाएंगे। वहीं, दूसरी तरफ अपेक्षाकृत संपन्न राज्यों को एक महत्वाकांक्षी जलवायु नीति का बड़ा लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव महाकाव्य विभिन्न रूपों में आएगा नजर

रायगढ़ (भाषा)। छत्तीसगढ़ में 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' में प्रस्तुति देने आई इंडोनेशियाई नृत्यांगना नी वायन श्रीयानी का कहना है कि 'रामायण' की कहानी भारत और इंडोनेशिया में एक जैसी है, लेकिन सांस्कृतिक कारकों के चलते महाकाव्य के विभिन्न रूप सामने आते हैं।

श्रीयानी भगवान राम का चरित्र निभाती हैं और उन्हें यह तथ्य पसंद है कि राम ने अपनी प्यारी पत्नी सीता को परिवार में वापस लाने के लिए बहुत संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि राम के चरित्र में ढलने के लिये कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि इस किरदार की अभिव्यक्ति में बहुत सारे ह्रवभाव शामिल हैं।

रायगढ़ शहर के रामलीला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव के इतर श्रीयानी ने बताया, 'रामायण की कहानी भारत और बाली में एक ही है, लेकिन सांस्कृतिक कारक इसे अलग रूप दे देते हैं।' उन्होंने कहा कि इंडोनेशियाई व्याख्या में तीन प्रकार के पात्र हैं - पुरुष, महिला और एक मध्यम श्रेणी का किरदार। श्रीयानी ने कहा, 'राम का चरित्र मध्यम श्रेणी में आता है, क्योंकि यह अति पुरुष रूप नहीं है। महिलाएं भी राम का किरदार निभा सकती हैं, क्योंकि उनकी अभिव्यक्तियां रावण की तरह चरम नहीं हैं।' इस महाकाव्य के प्रति वह कैसे आकर्षित हुईं ? इस बारे में उन्होंने कहा कि, 'रामायण' अच्छाई, बुराई, प्रेम और जीवन के कई अन्य पहलुओं के बारे में बहुत कुछ सिखाती है।

कम्बोडियाई नृत्य मंडली के प्रमुख पेन्ह चुनित ने कहा कि कंबोडिया में 27 क्षेत्र हैं और प्रत्येक ने 'रीमकर' (कम्बोडियाई रामायण) में कुछ अद्वितीय कारक जोड़े हैं।

अन्य राज्यों के कलाकारों में, कर्नाटक के यक्षगान समूह का नेतृत्व करने वाले के.एस. हेगड़े ने कहा कि यह संभवतः पहली बार है कि 'रामायण' पर इतने व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यक्षगान कर्नाटक में लोक रंगमंच का एक लोकप्रिय रूप है, जिसकी उत्पत्ति 500 साल से भी पहले हुई थी।

हेगड़े का दल अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया और अन्य देशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुका है। उन्होंने कहा 'रामायण सांस्कृतिक आदान प्रदान का एक बेहतरीन माध्यम है।' बृहस्पतिवार को शुरू हुए इस 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' में 12 राज्यों के कलाकार तथा कंबोडिया एवं इंडोनेशिया के दो अंतरराष्ट्रीय दल अपनी प्रस्तुति देंगे।

टाइगर वर्सेज पठान के लिए 40 करोड़ की फीस ले रहे हैं सिद्धार्थ आनंद

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड निर्देशक सिद्धार्थ आनंद अपनी आने वाली फिल्म टाइगर वर्सेज पठान के लिए 40 करोड़ की फीस ले रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनीं शाहरुख खान की फिल्म पठान ने बॉक्स ऑफिस से 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी। सिद्धार्थ आनंद अब यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स वाली अगली फिल्म टाइगर वर्सेज पठान को लेकर चर्चा में हैं। टाइगर वर्सेज पठान में शाहरुख खान और सलमान खान की मुख्य भूमिका है। चर्चा है कि इस फिल्म को निर्देशित करने के लिए निर्माताओं ने सिद्धार्थ आनंद को 40 करोड़ की फीस दी है। यह अब तक किसी निर्देशक को मिली सबसे ज्यादा फीस बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फीस अयान मुखर्जी से ज्यादा हो चुकी है। अयान मुखर्जी को मेकर्स फिल्म वॉर 2 का निर्देशन के लिए 32 करोड़ रुपये की फीस दे रहे हैं। इस फिल्म को भी यशराज फिल्म्स के बैनर तले ही बनाया जा रहा है। फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर लीड स्टार्स हैं।

ऑडी चायवाले ने मुंबई वासियों को दिया 'लग्जरी' स्वाद

मुंबई (भाषा)। अधिकतर लोगों के लिए 'ऑडी' जैसी महंगी कार 'लग्जरी' और आरामदेह वाहन है, लेकिन यहां मनु शर्मा और अमित कश्यप के लिए यह अपनी चाय दुकान खोलने का प्रेरणा स्रोत साबित हुआ है।

शर्मा और कश्यप अंधेरी के पश्चिमी उपनगर और आलीशान इलाके लोखंडवाला में 70 लाख रुपये मूल्य की कार के पिछले हिस्से में स्थित सामान रखने की जगह का इस्तेमाल चाय बेचने में कर रहे हैं। वे 20 रुपये प्रति कप चाय बेचते हैं। सोशल मीडिया पर हाल में वे चर्चा में रहे थे।

मुंबई की सड़कों पर 'कटिंग चाय' मुख्य रूप से बिकती है और यह पूरे शहर की टपरी (चाय दुकानों) पर उपलब्ध है। हरियाणा के हिसार जिला निवासी शर्मा ने कहा, 'हम रात को घूमते थे और चाय पीना चाहते थे, लेकिन हमें इसके लिए कोई जगह नहीं मिल पाती थी। तभी, हमने यहां अपनी दुकान खोलने की सोची।'

चाय बेचने का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का कारण केवल ऑडी ही नहीं है, बल्कि यह उनकी चाय का स्वाद है जिसने ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित किया। उनकी चाय को 'ओडी-टी' कहा जाता है, जो 'ऑन ड्राइव टी' का संक्षिप्त रूप है। एक ग्राहक ने कहा, 'पिछले दो वर्षों से मैं यहां चाय पीने आ रहा हूं क्योंकि इसका स्वाद लाजवाब है। इस इलाके से गुजरने के दौरान मैं हमेशा ही उनकी दुकान की चाय पीता हूं।'

शर्मा ने कहा, 'अपनी ऑडी में चाय बेचकर मैंने इस सोच को गलत साबित कर दिया है कि केवल खराब आर्थिक स्थिति वाले लोग ही चाय बेचते हैं। साइकिल की सवारी करने वाला व्यक्ति और जगुआर (कार) से यात्रा करने वाला व्यक्ति भी हमारी चाय का लुत्फ उठाता है।'

दोनों दोस्त (मनु और अमित) की योजना भविष्य में मुंबई में 'ओडी-टी' की 'फ्रेंचाइजी' शुरू करने की है। दोनों दोस्तों ने घर पर चाय बनाने का अभ्यास किया और ऑडी से चाय बेचने से पहले एक महीने तक विभिन्न 'रेसिपी' तैयार करनी सीखी। चाय बेचने का कारोबार शुरू करने से पहले शर्मा, एक अफ्रीकी देश में कार्यरत थे जबकि पंजाब के रहने वाले कश्यप स्टॉक मार्केट में ट्रेडर हैं और शाम को वह अपने दोस्त के साथ मिलकर चाय बेचते हैं।

सोनाक्षी के जन्मदिन पर शत्रुघ्न सिन्हा ने लिखा इमोशनल नोट

मुंबई (आईएएनएस)। दिग्गज एक्टर और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी बेटी व एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के 36वें जन्मदिन के मौके पर क दिल को छू लेने वाला नोट लिखा है। बॉलीवुड अभिनेता ने अपनी पुत्री सोनाक्षी सिन्हा के जन्मदिन पर उसकी खास तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोनाक्षी सिन्हा आज अपना 36वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही है। शत्रुघ्न ने ट्विटर पर सोनाक्षी के बचपन के दिनों से लेकर अब तक की कई तस्वीरें साझा कीं। फोटोज में उनकी सीरीज दहाड़ की फोटो भी शामिल हैं। उन्होंने लिखा : कितना खूबसूरत समय बीत गया है। इस शुभ दिन पर मस्ती, मनोरंजन और महान उपलब्धियों के एक और अद्भुत वर्ष के लिए हमारी आंखों के तारे को ढेर सारा प्यार। शत्रुघ्न ने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को सोनाक्षी पर वाकई गर्व है। हम सभी को आपकी ताकत और आपने जो कुछ भी हासिल किया है, उस पर बहुत गर्व है, खासतौर से दहाड़, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया, यह आज शहर की चर्चाओं में शामिल है और सबसे शानदार फिल्मों में से एक है, जो आपके काम में एक और पंख जोड़ती है। आपका विशेष दिन आज और हर दिन ढेर सारी खुशियां, आनंद और ढेर सारा प्यार लेकर आए। हैप्पी ग्रेट डे! भगवान भला करे।

रजनीकांत की फिल्म जेलर की शूटिंग पूरी

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के महानायक रजनीकांत की आने वाली फिल्म जेलर की शूटिंग पूरी हो गयी है। फिल्म जेलर के निर्माता सन पिक्चर्स ने ट्विटर पर जेलर के रैप अप के जश्न की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में रजनीकांत, तमन्ना भाटिया और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार के साथ केक काटते नजर आ रहे हैं। सन पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर लिखा, जेलर की शूटिंग खत्म! थिएटर पर 10 अगस्त को रिलीज होगी। फिल्म जेलर में रजनीकांत एक जेलर की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। जेलर में रजनीकांत, तमन्ना भाटिया शिवराज कुमार, मोहनलाल, जैकी श्रॉफ और राम्या कृष्णन की अहम भूमिका है।

केरल के एक गांव में जमीन से सुनाई दे रहीं रहस्यमयी आवाजें

कोट्टयम (केरल), (भाषा)। केरल में कोट्टयम जिले के एक छोटे से गांव में रह रहे लोग उस समय चिंतित हो गए, जब उन्हें जमीन से नीचे से रहस्यमयी आवाजें सुनाई दीं। कोट्टयम के चेनाप्पडी गांव के लोगों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार को तड़के दो बार बहुत तेज आवाजें सुनाई दीं। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में भी गांव और इसके आस-पास इसी प्रकार की आवाजें सुनाई दी थीं।

ग्रामीणों ने बताया कि आस-पास के वातावरण में कोई बदलाव नजर नहीं आता और केवल वैज्ञानिक अध्ययन से ही पता चल सकता है कि भूमि के नीचे से इस तरह की आवाजें आने का कारण क्या है। केरल खनन एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उनका विशेषज्ञ दल जल्द ही इलाके का निरीक्षण करेगा।

विभाग के एक सूत्र ने कहा कि जब इस सप्ताह की शुरुआत में आवाजें सुनाई दी थीं, उन्होंने तब इलाके का मुआयना किया था। सूत्र ने बताया, 'आज फिर से इस प्रकार की जोरदार आवाज सुनाई देने की खबरों के आधार पर हमारे विशेषज्ञ पुनः जगह का निरीक्षण करेंगे।' उसने साथ ही कहा कि जमीन की सतह के नीचे से बार-बार इस तरह की आवाज आने का असल कारण तभी पता चल सकता है, जब पृथ्वी विज्ञान केंद्र (सीईएस) इसे लेकर विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन करे।

सूत्र ने कहा, 'इस प्रकार की गतिविधि का विश्लेषण करने के संबंध में हमारी अपनी सीमाएं हैं, इसलिए हमने इलाके का मुआयना करने और अध्ययन करने के लिए सीईएस से अनुरोध किया है। उसने कहा कि भूविज्ञान विभाग के विशेषज्ञ फिर से क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे और इस संबंधी विवरण का विश्लेषण करने का प्रयास करेंगे।

के-पॉप सिंगर औरा ने 'जिमी जिमी' का अपना वर्जन जारी किया

मुंबई (आईएएनएस)। के-पॉप सिंगर औरा, जिन्होंने हाल ही में बप्पी लाहिड़ी के कल्ट क्लासिक जिमी जिमी का अपना वर्जन जारी किया है, ने साझा किया है कि वह सहयोग से ज्यादा इंडो-कोरियन प्रोजेक्ट्स करना चाहते है और बप्पी लाहिड़ी के कार्यों के माध्यम से दर्शकों के एक नए सेट को तैयार करना चाहते हैं।

औरा बप्पी दा के म्यूजिक से बेहद प्यार करते हैं और म्यूजिक के माध्यम से भारतीय और कोरियाई प्रशंसकों को करीब लाना चाहते हैं। औरा ने कहा : मेरी हमेशा से इंडो-कोरियाई प्रोजेक्ट पर काम करने की इच्छा रही है, और जिमी जिमी की फिर से कल्पना करना, जो बहुत ही आधुनिक और विश्व स्तर पर आकर्षक है, मुझे एक बहुत ही दिलचस्प यात्रा पर ले गया।

उन्होंने आगे कहा : 80 के दशक के हिट को के-पॉप ट्विस्ट देना आनंददायक था और बप्पी दा के म्यूजिक से मैं काफी प्रभावित हुआ। उनका म्यूजिक मुझे और अधिक सहयोगी प्रोजेक्ट्स को करने और भारतीय और कोरियाई प्रशंसकों को भी लाने के लिए प्रेरित करता है।

प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म आदिपुरुष का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास की मुख्य भूमिका है। आदिपुरुष का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। निर्देशक ओप राउत ने ट्विटर पर आदिपुरुष से बजरंग बली का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में बजरंगी विकराल रूप में कंधे पर गदा रखे दिखाई दे रहे है। इसे शेयर करते हुए ओम राउत ने कैप्शन में लिखा, 'हम है केसरी, क्या बराबरी।' फिल्म 'आदिपुरुष' 16 जून 2023 को रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रभास के अलावा सैफ अली खान, कृति सैनन, देवदत्त गजानन नागे, सोनल चौहान, वत्सल सेठ आदि प्रमुख भूमिका में है।इस फिल्म में प्रभास भगवान राम, कृति माता सीता, सैफ अली खान लंकेश और सनी सिंह लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

'जेलर' की शूटिंग हुई खत्म रजनीकांत ने मनाया जश्न

चेन्नई। साउथ के थलाइवा स्टार यानी रजनीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जेलर' को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म से काफी समय के बाद रजनीकांत स्क्रीन पर अपने फैंस का मनोरंजन करते नजर आएंगे। अब हाल ही में, खबर आ रही है कि रजनीकांत स्टारर 'जेलर' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। गुरुवार की रात, निर्माताओं ने फिल्म के पैक की घोषणा की है। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद जेलर के सेट से निर्माताओं ने रजनीकांत और टीम की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। सुपरस्टार और टीम ने तमन्ना भाटिया और टीम के साथ सेट पर केक काटकर रैप-अप मनाया।

लाइफ Style

डेजी

खोला कच्चा-चिट्ठा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' से अपना टेलीविजन डेब्यू किया है। हालांकि, एक्ट्रेस के इस फैसले से बॉलीवुड इंडस्ट्री के उनके कई दोस्त दंग हैं। इसी को लेकर अब डेजी चुप्पी तोड़ती नजर आई हैं।

एक्ट्रेस ने साफ कर दिया है कि उन्हें किसी को सफाई देने में कोई दिलचस्पी नहीं है। डेजी शाह का कहना है, 'मैं किसी ऐसे व्यक्ति को सफाई नहीं देना चाहती जो टीवी रियलिटी शो में जाने के मेरे फैसले से हैरान है। मैं खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा बनना चाहती थी क्योंकि इससे मुझे खुद को चुनौती देने और इस प्रक्रिया में नए कौशल हासिल करने का मौका मिलता है। यह मुझे जुड़ने के लिए एक व्यापक दर्शक वर्ग भी देता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अनुभव मुझे उस प्रोजेक्ट के लिए तैयार करने में मदद करेगा जिस पर मैं इस साल के अंत तक काम करना शुरू कर दूंगी। इसके अलावा, मैं अगले दो महीनों के लिए फ्री हूं, तो क्यों नहीं?'डेजी शाह से पूछा गया कि क्या वह टेलीविजन पर फिक्शन शो करने के लिए तैयार हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं बिल्कुल भी सास-बहू टाइप नहीं हूं। मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं, मैं ड्रामा से दूर रहती हूं।' डेजी शाह ने कई साउथ फिल्मों में काम किया है। वहीं, उन्होंने वर्ष 2014 की फिल्म 'जय हो' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें वह सलमान खान के अपोजिट नजर आई थीं। डेजी शाह ने अपने करियर ग्राफ पर बात करते हुए कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें कि क्या मेरा करियर मेरी उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ा तो इसका जवाब नहीं है।

हॉलीवुड मसाला

नई फिल्मों और सीरीज पर संकट

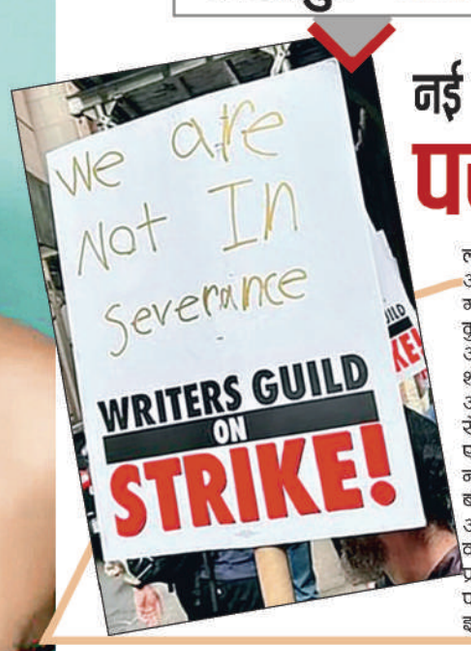

लॉस एंजेलिस। राइटर गिल्ड ऑफ अमेरिका के सदस्यों को हड़ताल पर गए एक महीने हो गए हैं। अभी तक कुछ खास निष्कर्ष निकलता नजर नहीं आ रहा है, जिसकी वजह से लगातार शोज की शूटिंग बंद होती जा रही है। अब तक लेखकों के हड़ताल की वजह से 'डेयर डेविल बॉर्न अगेन', 'एबट एलिमेंट्री', 'स्ट्रेंजर थिंग्स', 'सैटरडे नाइट लाइव' जैसे कई शो की शूटिंग बंद हो चुकी है। राइटर गिल्ड ऑफ अमेरिका के सदस्यों द्वारा हड़ताल की वजह से पहले कुछ शोज की शूटिंग प्रभावित नहीं हुई थी। क्योंकि उनके पास शो की शूटिंग करने की परमिशन इसलिए थी।

लियोनार्डो अब भारतीय मॉडल को कर रहे हैं डेट

लंदन। हॉलीवुड एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो इन दिनों अपनी डेटिंग की खबरों के लेकर सुर्खियों में हैं। 48 साल के लियोनार्डो का नाम 28 साल की भारतीय मूल की मॉडल नीलम गिल के साथ जोड़ा जा रहा है। जी हां, दोनों को लंदन के चिल्टन फायरहाउस में देखा गया था। जहां नीलम गिल के साथ लियोनार्डो की मां भी उनके साथ मौजूद थीं। नीलम गिल को हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में देखा गया था जहां लियोनार्डो भी अपनी फिल्म किलर्स ऑफ द फ्लावर मून की स्क्रीनिंग के लिए पहुंचे थे। नीलम गिल ने अपने इंस्टाग्राम बायो में खुद को एक ब्रिटिश पंजाबी मॉडल बताया है। सोशल मीडिया पर नीलम की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। तस्वीरों में नीलम काफी बोल्ड और बिंदास दिखती हैं।

कैट ने की 'जरा हटके ...' की तारीफ...

मुंबई। विक्की कौशल की फिल्म ' जरा हटके जरा बचके' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। पहले दिन इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिलहाल, अभिनेता इसको हिट बनाने के लिए जमकर प्रचार कर रहे हैं। इस बीच विक्की की पत्नी कटरीना ने इस फिल्म की जमकर प्रशंसा की है। वहीं, विक्की ने भी उन्हें खास अंदाज में जवाब दिया है। दरअसल, कटरीना ने अपने इंस्टाग्राम पर विक्की कौशल की फिल्म जरा हटके जरा बचके का पोस्टर साझा किया, फिल्म की प्रशंसा करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, "अब सिनेमाघरों में, पूरी टीम को बधाई, बहुत दिल से बनाई गई फिल्म।" अपनी पत्नी की तारीफ पर प्रतिक्रिया देते हुए, विक्की कौशल ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी को फिर से साझा किया और उन्हें अपनी फिल्म का एक रोमांटिक गीत समर्पित किया।

आर्यन की वेब सीरीज की शूटिंग शुरू

मुंबई। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान जल्द ही मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनके निर्देशन में बनने वाली पहली वेब सीरीज शुक्रवार को शुरू हो गई। यह छह पार्ट की सीरीज होगी, जिसे उनके पिता शाहरुख प्रोड्यूस कर रहे हैं। बता दें कि बीते साल दिसंबर में, आर्यन खान ने अपनी स्क्रिप्ट पूरी होने की घोषणा की थी। अब दो जून से उन्होंने पर्दे के पीछे की जिम्मेदारी संभाल ली है। इस सीरीज का नाम कथित रूप से स्टारडम बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक टीम ने वर्ली की एक मिल में कुछ ऑफिस दृश्यों की शूटिंग की। आर्यन कथित तौर पर सुबह सात बजे के कॉल समय से बहुत पहले सेट पर थे, उनके पिता, शाहरुख खान भी डेब्यू निर्देशक को बधाई देने के लिए सेट पर पहुंचे। इस वेब सीरीज पर फिलहाल करीब 350 लोग काम कर रहे हैं।

टीवी मसाला

शादी के बाद अभिनेत्रियों ने अपने एक्टिंग करियर पर लगाया ब्रेक

मुंबई। एक्टिंग की दुनिया में आना हर अभिनय प्रेमी का बहुत बड़ा सपना होता है। हर कोई इस सपने को साकार नहीं कर पाता है, लेकिन जो अपने इस सपने को जी लेता है, उसके लिए यह किसी नए जन्म से कम नहीं होता है। इंडस्ट्री में ऐसे कई अभिनेता और अभिनेत्रियां मिलेंगी, जिन्होंने किसी न लिए वजह से अपने सपने को त्याग दिया या यूं कहे कि जिम्मेदारियों के बोझ तले वह अपना अस्तित्व ही कहीं न कहीं भूल गईं। तो आज के इस लेख में हम आपको टीवी की उन अभिनेत्रियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने अपने प्रेग्नेंसी या मां बनने के बाद इस इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया।

कांची कौल

अभिनेत्री कांची कौल टीवी जगत का जाना माना नाम है। कांची को कई हिट शोज करते देखा गया है। 'एक लड़की अंजानी सी', 'भाभी और मायका' जैसे सीरियलों से पहचान बनाने वाली कांची पिछले छह साल से टेलीविजन की दुनिया से दूर हैं। शादी के बाद उन्होंने टीवी जगत को पूरी तरह अलविदा कह दिया।

दीपिका कक्कड़

'ससुराल सिमर का' जैसे हिट शोज देने वाली दीपिका कक्कड़ जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। हाल ही में, दीपिका ने यह घोषणा की है कि वह अपने पहले बच्चे के आने के बाद कुछ दिनों के लिए अभिनय की दुनिया को पूरी तरह अलविदा कह देंगी। अभिनेत्री का मानना है कि कुछ दिनों तक वह मां बनकर रहना चाहती हैं।

परिधि शर्मा

'जोधा अकबर' फेम परिधि शर्मा ने भी मां बनने के बाद टीवी की दुनिया को अलविदा कह दिया। हालांकि, उनके फैंस आज भी चाहते है कि वह डेली सोप में वापसी करे, लेकिन अभिनेत्री की अभी ऐसी कोई प्लानिंग है। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस से कनेक्ट रहती हैं।

मोहेना कुमारी सिंह

टीवी और रीवा की राजकुमारी मोहेना ने टीवी जगत में पहले अपने बेहतरीन डांसर और फिर एक्ट्रेस के तौर पर पहचान बनाई, लेकिन पिछले साल उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के बेटे सुयश रावत से शादी के बाद उन्होंने मनोरंजन जगत से दूरी बना ली है।

रद्द हुआ 'आदिपुरुष' का अमेरिका प्रीमियर, सामने आई ये बड़ी वजह

वाशिंगटन। भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म का तमगा पा चुकी प्रभास और कृति सैनन अभिनीत फिल्म 'आदिपुरुष' का अमेरिका में होने वाला प्रीमियर रद्द हो गया है। पहले ये प्रीमियर 13 जून होने वाला था लेकिन फिर इसे दो दिन आगे खिसकाया गया। और, अब खबर है कि ये प्रीमियर पूरी तरह रद्द कर दिया गया है। इस फेस्टिवल में फिल्म का प्रस्तावित दूसरा शो भी अब नहीं होने की आशंका भी बढ़ गई है। फिल्म और म्यूजिक कंपनी टी सीरीज ने अप्रैल महीने में 'आदिपुरुष' के प्रीमियर की तारीख का ऐलान किया था। तब इस प्रीमियर की तारीख 13 जून बताई गई थी। फिल्म लेकिन, ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में प्रस्तावित इस प्रीमियर की तारीख पिछले महीने दो दिन आगे खिसक गई। इस प्रीमियर में शामिल होने के लिए फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे प्रभास ने अपना अमेरिका टूर भी बना लिया था।

लेकिन अब ये प्रीमियर कैंसिल हो गया। करीब 70 देशों में एक साथ अलग अलग भाषाओं में रिलीज होने जा रही फिल्म 'आदिपुरुष' भारतीय सिनेमा की पहली ऐसी फिल्म भी है जिसे भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा अलग अलग देशों की स्थानीय भाषाओं में भी डब करके एक साथ रिलीज किया जा रहा है। भारत में ये फिल्म 16 जून को हिंदी और तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम और कन्नड़ में भी रिलीज करने की घोषणा पहले ही हो चुकी है।

मणिरत्नम की हर एक फिल्म है सिनेमा का एक सबक

मुंबई। निर्माता- निर्देशक मणि रत्नम सिनेमा जगत की ऐसी शख्सियत हैं जिनके साथ काम करना हर कलाकार का एक सपना होता है। मणि रत्नम का सिनेमा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है। मोहन लाल और आर माधवन को तमिल सिनेमा में लाने का श्रेय मणिरत्नम को ही जाता है। नागार्जुन के विशेष आग्रह पर मणिरत्नम ने पहली बार तेलुगू फिल्म गीतांजलि का भी निर्देशन किया जो साल की सबसे सफल फिल्मों में से थी।

आम आदमी से डॉन बनने की कहानी 'नायकन'

मणि रत्नम की फिल्मों में आईएमडीबी पर सबसे ज्यादा रेटिंग 8.6 पाने वाली तमिल भाषा में बनी मणि रत्नम की फिल्म 'नायकन' दिवाली के दिन 21 अक्टूबर 1987 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म मणिरत्नम के करियर की सबसे सफल फिल्मों में से एक है। फिल्म की कहानी एक ऐसे आम इंसान की है जो पुलिस से परेशान होकर एक डॉन बन जाता है। इस फिल्म को 60वें अकादमी पुरस्कार के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म के लिए भारत की तरफ से आधिकारिक रूप से भेजा गया था। इस फिल्म के लिए कमल हासन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। फिल्म में कमल हासन के अलावा सरन्या, जनगराज, कार्तिका और टीनू आनंद की मुख्य भूमिकाएं थी।

'दलपति' में महाभारत के पात्रों का छाया

तमिल फिल्म 'दलपति' की कहानी महाभारत के दो पात्र कर्ण और दुर्योधन की मित्रता पर आधारित है। मणि रत्नम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रजनीकांत, मम्मूटी और अरविंद स्वामी ने पहली बार साथ काम किया। तीन करोड़ रुपये में बनी ये फिल्म अपने समय की साउथ की सबसे महंगी फिल्म थी। इस फिल्म ने दो फिल्मफेयर पुरस्कार दक्षिण सहित कई पुरस्कार जीते।

आईएमडीबी पर इस फिल्म की रेटिंग 8.5 है।

धार्मिक तनाव के इर्द गिर्द बुनी गई 'बॉम्बे'

मणि रत्नम की फिल्म 'बॉम्बे' हिंदी सहित डब करके कई भाषाओं में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद हिंदू और मुस्लिम के बीच मुंबई में हुए धार्मिक तनाव के इर्द गिर्द बुनी गई। इस फिल्म में अरविंद स्वामी और मनीषा कोइराला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म को 1996 में फिलाडेल्फिया फिल्म फेस्टिवल सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित किया गया था। रिलीज के समय फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ और इस फिल्म को सिंगापुर और मलेशिया में प्रतिबंधित कर दिया गया था।

'रोजा' बनीं कश्मीर की पृष्ठभूमि पर

मणि रत्नम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अरविंद स्वामी और मधु की मुख्य भूमिकाएं हैं कहानी तमिलनाडु के गांव की एक साधारण लड़की की है जो कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा अपने पति के अपहरण किए जाने पर उसकी तलाश करती है।

आज जन्मदिन : अभिनेत्री नूतन ने अपनी अलग पहचान बनाई थी फिल्म जगत में

सादगी के साथ अभिनय का दीवाना बनाया दर्शकों को , दी यादगार फिल्में

मुंबई। अपनी सादगी से हिंदी सिनेमा में अलग पहचान रखने वाली नूतन को एक जमाने में सांवला रंग,चेहरे, शरीर और कद के चलते खूब ताने सुनने पड़ते थे। लोगों और रिश्तेदारों के तानों के चलते नूतन खुद को बदसूरत समझने लगी थीं, लेकिन यही नूतन जब फिल्मों में आईं तो उन्होंने बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे कर दिया। राजेंद्र कुमार, शम्मी कपूर और संजीव कुमार जैसे कई बड़े अभिनेता भी इनकी खूबसूरती के कायल थे। ये उस दौर की पहली एक्ट्रेस थीं जिन्हें 40 साल की उम्र में भी लीड एक्ट्रेस का रोल मिलता था। महज 8 साल की उम्र में नूतन ने मां के नक्शेकदम पर चलकर अभिनय करियर की शुरुआत की थी। 45 साल के एक्टिंग करियर में नूतन ने कई बेहतरीन फिल्में दीं और 9 बार बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब जीता।

4 जून 1936 में बॉम्बे (अब मुंबई) में जन्मीं नूतन के पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्ममेकर हुआ करते थे और मां शोभना समर्थ एक जमाने की जानी-मानी अभिनेत्री थीं। बचपन से ही नूतन का वजन काफी कम हुआ करता था, रंग सांवला था और कद ऊंचा। बचपन से ही नूतन खुद को दुनिया की सबसे बदसूरत लड़की समझने लगीं और लोगों से झिझकने लगी थीं। नूतन के लुक को देखकर खुद मां शोभना को लगता था कि उन्हें फिल्मों में हाथ नहीं आजमाना चाहिए।

नूतन ने साल 1945 की फिल्म नल दमयंती से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट एक्टिंग करियर शुरू किया था। महज 14 साल की उम्र में नूतन को के आसिफ की फिल्म मुगल-ए-आजम का ऑफर मिला। खुद को बदसूरत समझने वाली नूतन को फिल्म में अनारकली का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। 14 साल की नूतन को लेकर शोभना ने हमारी बेटी बनाई। फिल्म में नूतन की छोटी बहन का रोल उनकी असल बहन तनूजा को मिला था। 5 साल की तनूजा सिर्फ एक गींबू पानी के लिए फिल्म में काम करने के लिए राजी हो गई थीं। 1951 में नूतन फिल्म नगीना में नजर आईं।

जब ये फिल्म रिलीज हुई तो नूतन महज 15 साल की थीं। नियमों के अनुसार ए-सर्टिफिकेट की फिल्मों को 18 साल से बड़े लोग ही देख सकते थे, लेकिन नूतन सिर्फ 15 साल की थीं। फिर क्या था अंडरएज होने के कारण नूतन खुद अपनी फिल्म के प्रीमियर में नहीं जा सकीं। हम लोग फिल्म से फिर एक बार नूतन ने देश भर में अपने अभिनय से लोगों का दिल जीता।

पढ़ाई के बाद भारत वापस आकर नूतन ने 1955 की फिल्म सीमा में काम किया। बेहतरीन कमबैक से उन्हें पहला बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। दिल्ली का ठग फिल्म में नूतन स्विम सूट पहनने वाली पहली अभिनेत्री बनीं। उनकी कामयाबी का सिलसिला ऐसा चला कि पेइंग गेस्ट, अनाड़ी, सुजाता, छलिया, देवी, सरस्वतीचंद और मैं तुलसी तेरे आंगन की में नजर आईं।

आखिरी वक्त दर्द में गुजरा

पति रजनीश और बेटे मोहनीश के साथ नूतन

1990 में नूतन को अपनी बीमारी ब्रेस्ट कैंसर का पता लगा। कैंसर का पता लगने के बाद भी नूतन फिल्मों की शूटिंग करती रहीं। कुछ महीनों बाद फरवरी 1991 में तबीयत बिगड़ने पर नूतन को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उनकी 21 फरवरी को उनकी मौत हो गई। नूतन की मां ने 1992 के एक इंटरव्यू में बताया कि 21 फरवरी को वो अस्पताल में नूतन के कमरे के बाहर बैठी थीं। उन्होंने कमरे से नूतन के चिल्लाने की आवाज सुनी। नूतन जोर-जोर से दर्द से कहरा रही थीं, लेकिन जब तक शोभना कमरे में पहुंची तो देर हो चुकी थी। इलाज के दौरान नूतन गरजना और इंसानियत फिल्मों में काम कर रही थीं। जहां एक तरफ गरजना कभी रिलीज ही नहीं हो सकी, वहीं दूसरी तरफ नूतन और विनोद मेहरा के निधन के बाद इंसानियत फिल्म को कास्ट बदलकर साल 1994 में रिलीज किया गया था। नूतन के पति रजनीश बहल का निधन साल 2004 में उनके अपार्टमेंट में आग लगने से हो गया था।

बिल्डर के पास फंसी रकम कैसे पाएं वापस

प्रदीप मिश्रा
फाउंडर, होमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

जब कोई व्यक्ति अपने सपनों का घर खरीदता है तो उसमें अपनी जीवन भर की कमाई लगा देता है। अगर कुछ पैसे कम होते हैं तो बैंक से लोन लेकर उस कमी को पूरा करता है। अगर ऐसे में उसकी रकम किसी रियल एस्टेट कंपनी या डेवलपर के पास फंस जाए और डेवलपर उसे मकान का कब्जा न दे तो ग्राहक बड़ी मुश्किल में फंस जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जरा भी न घबराएं क्योंकि हम आपको कुछ ऐसे टिप्स दे रहे हैं जिससे आप डेवलपर से अपनी रकम आसानी से वापस पा सकते हैं अथवा अपने सपनों के घर पर पजेशन (कब्जा) हासिल कर सकते हैं

यह पिछले महीने की बात है जब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए गुड़गांव की एक रियल एस्टेट कंपनी सिद्धार्थ बिल्डहोम के प्रमोटरों द्वारा पेश की गई निकासी योजना को मंजूरी दी। एनसीएलटी के इस फैसले से छह से 12 महीनों के दौरान 800 से भी ज्यादा खरीदारों को उनके मकानों के मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

खरीदारों की रकम फंसी

इस सबंध में यहां थोड़ी और जानकारी दे दूं कि उक्त कंपनी ने गुड़गांव-द्वारका एक्सप्रेस वे पर साल 2010 में सिद्धार्थ एनसीआर वन/ग्रीन्स जबकि 2011 में सिद्धार्थ एस्टेला नाम से आवासीय प्रोजेक्ट पेश किए थे। एनसीआर वन/ग्रीन्स को 2014 तो एस्टेला को 2015 में डिलीवर किया जाना था। लेकिन 2014 में दोनों परियोजनाओं का निर्माण ठप हो गया। संपत्ति की कीमत का 95% तक का भुगतान करने के बावजूद 800 से अधिक खरीदारों की गाढ़ी कमाई अटक गई थी।

रेरा, ईओडब्ल्यू, एनसीडीआरसी से नहीं मिली मदद

डेवलपर्स के पास 95 फीसद रकम फंसने के बाद खरीदारों ने समस्या के समाधान के लिए ईओडब्ल्यू, एनसीडीआरसी, रेरा जैसे मंचों के दरवाजे खटखटाए लेकिन राहत नहीं मिल सकी। इसके बाद सभी ग्राहक एकजुट होकर अपना मामला एनसीएलटी की शरण में ले गए। सुनवाई हुई और आखिरकार अब इन दोनों प्रोजेक्ट के खरीदारों को अपना निवेश सार्थक होता महसूस दिख रहा है।

बिना गलती के परेशान हो रहे खरीदार

एनसीएलटी के इस फैसले को सिद्धार्थ बिल्डहोम के ग्राहकों के लिए अच्छी किस्मत कहें तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। क्योंकि दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न शहरों में अनेक ऐसी परियोजनाएं हैं जो अपने नियत समय से देरी से चल रही हैं जिसमें निवेशकों और खरीदारों की कोई गलती नहीं है। बहरहाल गलत कोई भी हो अगर ऐसे मामले एनसीएलटी, रेरा या दूसरे मंचों पर पहुंचते भी हैं तो उनके समाधान में काफी समय लग जाता है जिसकी पुष्टि ग्रैंड थॉर्टन इंडिया की रिपोर्ट से भी होती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत 2,298 मामलों में दिवाला समाधान प्रक्रिया चल रही है जिसमें से 518 मामलों का संबंध रियल एस्टेट से है। हैरानी की बात यह है कि जिन 611 समाधान योजनाओं को मंजूरी दी गई है, उनमें केवल 78 का संबध रियल एस्टेट क्षेत्र से है।

मामला सुलझने में देरी क्यों ?

यहां सवाल यह है कि इन मामलों को सुलझाने में इतनी देरी क्यों हो जाती है? दरअसल, इन मंचों के समक्ष बेहद उलझे हुए मामले आ रहे हैं और ज्यादातर ऐसे मामले जिनमें रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स पर बैंकों या फिर वित्तीय संस्थानों की तरफ से दिए गए लोन का वजन बहुत ज्यादा है। इन प्रोजेक्ट्स में अगर रिजोल्यूशन एप्लीकेंट (प्रोजेक्ट री-डेवलप करने वाला) बुलाया भी जाता है तो खरीदारों और बैंकों के हितों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाता। इसका एक बड़ा कारण यह है कि बैंक और वित्तीय संस्थान प्रोजेक्ट के लिए दिए लोन पर पेनाल्टी कई बार बढ़ा चुके होते हैं साथ ही बिल्डर की तरफ से समय पर किस्तें न चुकाने पर ब्याज की रकम भी कई गुना बढ़ा देते हैं। दूसरी तरफ ग्राहकों की ओर से संपत्ति की कीमत के बड़े हिस्से का भुगतान किया जा चुका होता है। ऐसे में बैंक अपनी बकाया राशि मांगता है और ग्राहक संपत्ति के लिए अतिरिक्त रकम का भुगतान करने के लिए तैयार नहीं होते जिससे रिजोल्यूशन एप्लीकेंट फंसे हुए प्रोजेक्ट्स को लेकर कोई राहत भरे नतीजे तक नहीं पहुंच पाते।

एकजुट होकर रकम वापसी का करें प्रयास

अगर ऐसी ही कुछ परिस्थितियों में आप का भी कोई निवेश है तो बेहतर यही रहेगा कि आप सभी खरीदार एकजुटता बनाएं और किसी भी मंच तक सामूहिक रूप से अपनी बात रखें। यदि बातचीत से मामला सुलझता हो तो ऐसा करने से गुरेज न करें। ईओडब्ल्यू, एनसीडीआरसी, रेरा जैसे मंचों पर व्यक्तिगत शिकायत की अपेक्षाकृत सामूहिक तौर पर की गई शिकायत अधिक प्रभावी रहती है।

रेरा को मजबूत बनाने की जरूरत

इस तरह के मामलों के निपटान में अत्यधिक देरी जैसे तमाम कारक हैं जो इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि रेरा जैसी एजेंसियों को सशक्त बनाए जाने की जरूरत है। खास तौर पर किसी एक प्रोजेक्ट के लिए हासिल किए गए लोन और खरीदारों से मिली रकम को बिल्डर्स उस प्रोजेक्ट के बजाए अब भी दूसरी परियोजनाओं के निर्माण या जमीन खरीदने पर खर्च कर देते है जिससे उस प्रोजेक्ट के अटकने की संभावनाएं बढ़ती जाती है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, सोनीपत सहित गुड़गांव में हम सभी ने ऐसे अनेक उदाहरण देखते है ऐसे जरूरी है कि रेरा की शक्तियों में इजाफा किया जाए जिससे रियल एस्टेट के निवेशकों और खरीदारों का निवेश और अधिक सुरक्षित करने में सहायता मिल सके। इसके लिए रेरा को स्थानीय प्रशासन की मदद लेकर बिल्डर के खिलाफ वारंट जारी करने, बिल्डर की तरफ से ग्राहक को छले जाने पर रिकवरी जारी करने के साथ ही दूसरे और तीसरी श्रेणी के शहरों में भी रेरा को ताकतवर बनाने पर विचार किया जा सकता है।

डेवलपरों के लिए भी सख्त हों नियम

इसके अलावा जो बिल्डर विकास संबंधी तिमाही रिपोर्ट न पेश करें उन्हें रेरा के पास दंडित करने का अधिकार मिले साथ ही टाउन और कंट्री प्लानर विभाग को भी रेरा के प्रति जवाबदेह बनाकर भी काफी हद तक निवेशकों के हितों का सुरक्षित किया जा सकता है। ■

स्वास्थ्य बीमा के लिए बेहतर साबित होगा हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म

अपूर्व कुमार दत्त
बीमा विशेषज्ञ

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में जल्द ही एक नई सुविधा शुरू होने जा रही है और यह सुविधा मिलेगी हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म के जरिए। हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म एक ऐसा मंच है जहां सभी कंपनियों के स्वास्थ्य बीमा उत्पाद मिलेंगे, स्वास्थ्य बीमाधारक की हेल्थ हिस्ट्री मिलेगी और हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम हासिल करना भी आसान हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि यह सुविधा इस साल अगस्त से शुरू हो जाएगी। इसके लिए बीमा नियामक इरडा ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं

आजादी के स्वर्णिम वर्ष 2047 तक सभी को बीमा का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे इरडा ने एक अगस्त से 'आनबोर्डिंग हेल्थ एक्सचेंज' लागू करने की तैयारी कर ली है। बीमा क्षेत्र में आनबोर्डिंग का तात्पर्य एक ऐसे संगठनात्मक तंत्र से है जिसके जरिए सभी नागरिकों तक बीमा की जानकारी व इसके फायदे पहुंचाए जा सकें। बीमा नियामक इरडा ने इस हाईटेक प्रोजेक्ट पर काम तेज कर दिया है और एक अगस्त से निश्चित रूप से ये परियोजनाएं बीमा कंपनियों द्वारा लागू कर दी जाएंगी।

हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म के फायदे

इरडा द्वारा नेशनल हेल्थ अथारिटी के तहत सभी सामान्य बीमा कंपनियों को भी स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह सभी कंपनियां एक ही 'हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म' पर काम करेंगी। सभी कंपनियों के एक ही हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म पर काम करने का फायदा यह होगा कि स्वास्थ्य बीमा क्लेम को बिना किसी बाधा के आसानी और शीघ्रता से निस्तारित किया जा सकेगा। इससे एक ओर जहां बीमाधारक को सहूलियत होगी वहीं दूसरी तरफ बीमा कम्पनी को प्रति क्लेम होने वाले खर्चो में भी कमी आएगी। इस हेल्थ एक्सचेंज मंच के जरिए बीमा धारक के अलावा हास्पिटल भी बीमा निस्तारण के कार्य की आनलाइन निगरानी रख सकते हैं और कम्पनी भी बीमा दावा निस्तारण के उपरांत त्वरित गति से दावा धनराशि आनलाइन भुगतान कर देगी।

बीमाधारक की हेल्थ हिस्ट्री

इरडा द्वारा प्रस्तावित आनबोर्डिंग हेल्थ एक्सचेंज अर्थात 'हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म' के तहत बीमाधारक की मेडिकल हिस्ट्री भी उपलब्ध रहेगी जिससे स्वास्थ्य बीमा में धोखाधड़ी की घटनाओं में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। बीमाधारकों के पूरी मेडिकल हिस्ट्री भी आनलाइन उपलब्ध रहने के कारण हास्पिटल को भी इलाज करने में आसानी होगी और उनका समय भी बचेगा। बीमाधारक द्वारा किसी नए हास्पिटल में भी जाकर इलाज कराने पर अपना मेडिकल हिस्ट्री आनलाइन उपलब्ध रहने के कारण आसानी से हास्पिटल को उपलब्ध करा सकते हैं। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि यह प्लेटफार्म बीमाधारक, बीमा कंपनी और क्लेम प्राप्त करने वाला पक्ष यानी हास्पिटल तीनों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा।

हेल्थ एक्सचेंज शुरू करने की कवायद

भारत सरकार की संस्था नेशनल हेल्थ अथारिटी ने बीमा नियामक इरडा के साथ सामंजस्य बिठाते हुए सभी पक्षों अर्थात स्वास्थ्य बीमा कंपनी, तकनीकी विशेषज्ञ आदि को इस 'हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म' का परीक्षण कर अपने सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया है। संबंधित पक्षों से मिले सुझावों के बाद इस प्लेटफार्म में अगर जरूरी हुआ तो कुछ अन्य सुधार किए जाएंगे और अगस्त तक इस प्लेटफार्म को एक्टिवेट कर दिया जाएगा।

एचईपी के दायरे में सभी हेल्थ इंश्योरेंस

हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म (एचईपी) पर सभी प्रकार की स्वास्थ्य बीमा पालिसियों का विवरण रखा जाएगा। एकल बीमा पालिसी हो या फैमिल फ्लोटर पालिसी अथवा ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस, सभी तरह की पालिसी को हेल्थ एक्सचेंज प्लेटफार्म के जरिए आसानी के साथ बेचा जा सकता है और बिक्री पश्चात सेवाएं दी जा सकती हैं।

कंपोजिट बीमा लाइसेंस मिलेंगे

आमतौर पर सामान्य बीमा कंपनियां हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी नहीं बेचती हैं। इसी के मद्देनजर बीमा नियामक अब सभी कंपनियों को सभी तरह की पालिसी बेचने की अनुमति देने की कवायद में लगा है। इसी परिप्रेक्ष्य में बीमा नियामक इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि सभी बीमा कंपनियों को एक कंपोजिट बीमा लाइसेंस दिया जाए ताकि यह कंपनियां सभी तरह की बीमा पालिसियां बिना किसी रोक टोक के बेच सकें। इस व्यवस्था के तहत भारत जो कि वर्तमान में दुनिया के बीमा बाजार में दसवें स्थान पर है, उसे 2032 तक छठे स्थान पर लाया जा सके। ■

छोटे बैंकों में मोटा ब्याज

देश के केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में बढ़ोतरी किए जाने से लगभग सभी छोटे-बड़े बैंकों ने भी ऋण एवं जमा पर ब्याज दरों में इजाफा कर दिया है। लेकिन एफडी पर सर्वाधिक ब्याज देने के मामले में स्माल फाइनेंस बैंकों ने निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बड़े बैंकों से बाजी मार ली है। स्माल फाइनेंस बैंकों की एफडी की ब्याज दरें इस समय लगभग सभी बैंकों की तुलना में ज्यादा हैं

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

अन्य बैंकों की तुलना में स्माल फाइनेंस बैंकों की ब्याज दरें ज्यादा

ब्याज दरों में बढ़ोतरी का दौर शुरु हुए लगभग छह माह का समय हो चुका है। केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में वृद्धि किए जाने के बाद लगभग सभी निजी एवं सरकारी बैंकों ने भी अपनी ब्याज दरों में इजाफा कर दिया है। इस वृद्धि के बाद जहां बैंकों का कर्ज महंगा हो गया है वहीं बैंकों में एफडी कराना अब फायदे का सौदा हो गया है। रेपो दरों में वृद्धि किए जाने से बैंक एफडी की ब्याज दरें जो कि काफी निचले स्तर पर थीं अब एक बार फिर ऊपर की ओर आ गई हैं। लेकिन ऊंची ब्याज दरों के इस दौर में कई बैंक ऐसे भी हैं जो अन्य सभी बैंकों की तुलना में बहुत ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। आइए जानने की कोशिश करते हैं कि वे कौन से बैंक हैं जो सरकारी एवं निजी क्षेत्र के सभी बड़े बैंकों की तुलना में फिक्स्ड डिपाजिट पर काफी ज्यादा ब्याज अपने ग्राहकों को दे रहे हैं।

स्माल फाइनेंस बैंक में सबसे ज्यादा ब्याज

स्माल फाइनेंस बैंक अपने ग्राहकों को बैंक एफडी पर अधिकतम नौ फीसद तक ब्याज दे रहे हैं। जी... हां... आपने सही पढ़ा स्माल फाइनेंस बैंक की श्रेणी में शामिल सभी बैंक एफडी कराने के इच्छुक अपने ग्राहकों को आठ से नौ फीसद की दर से ब्याज आफर कर रहे हैं। गौरतलब है कि सरकारी एवं निजी क्षेत्र के व्यवसायिक बैंक अपने ग्राहकों को पांच साल की बैंक एफडी पर न्यूनतम 5.85 फीसद से अधिकतम 7.75 फीसद तक ब्याज दे रहे हैं। इसके इतर स्माल फाइनेंस बैंक जो कि अभी बैंकिंग इंडस्ट्री में पैर जमाने की कोशिश ही कर रहे हैं अपने ग्राहकों को आठ से नौ फीसद की दर से ब्याज की पेशकश कर रहे हैं।

सबसे ज्यादा ब्याज किस बैंक में

मौजूदा समय में स्माल फाइनेंस बैंक में सर्वाधिक 9.1 फीसद ब्याज सूर्योदय स्माल फाइनेंस बैंक द्वारा दिया जा रहा है। हालांकि पांच साल की एफडी पर अन्य स्माल फाइनेंस बैंकों की ब्याज दरें कुछ कम हैं लेकिन एक, दो या तीन साल की अवधि की एफडी पर लगभग सभी स्माल फाइनेंस बैंकों की ब्याज दरें 8.50 से 9.00 फीसद के आसपास हैं।

सीनियर सिटीजन को ज्यादा ब्याज

आमतौर पर सरकारी एवं निजी कामर्शियल बैंक अपनी सभी तरह की ब्याज दरों की तुलना में सीनियर सिटीजन को आधा फीसद ज्यादा ब्याज देते हैं। इसी राह पर चलते हुए स्माल फाइनेंस बैंक भी सीनियर सिटीजन को आधा फीसद ब्याज ज्यादा दे रहे हैं। इससे स्माल फाइनेंस बैंक की ब्याज दरें और भी ज्यादा आकर्षक दिखाई देती हैं।

स्माल फाइनेंस बैंकों की एफडी पर अधिकतम ब्याज दरें

बैंक का नाम	ब्याज दर
सूर्योदय स्माल फाइनेंस बैंक	9.10%
यूनिट स्माल फाइनेंस बैंक	9.00%
इक्विटास स्माल फाइनेंस बैंक	8.50%
फिनकेयर स्माल फाइनेंस बैंक	8.51%
जना स्माल फाइनेंस बैंक	8.50%
ईएसइएफ स्माल फाइनेंस बैंक	8.50%
एसबीएम स्माल फाइनेंस बैंक	8.40%
उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक	8.25%

स्रोत एवं साभार : बैंक बाजार डाट कॉम
नोट : ब्याज दरों पर अंतिम निर्णय बैंक का ही होगा।

स्माल फाइनेंस बैंक में भी पैसे हैं सुरक्षित

अन्य सभी बैंकों की तरह स्माल फाइनेंस बैंकों में भी खाताधारक की रकम पूरी तरह सुरक्षित होती है। जिस तरह अन्य व्यासायिक बैंकों में जमाकर्ता की पांच लाख रुपए तक की धनराशि इंश्योर्ड होती है ठीक उसी तरह स्माल फाइनेंस बैंक में भी जमाकर्ता की पांच लाख रुपए तक की रकम इंश्योर्ड होती है। अगर किसी कारणवश स्माल फाइनेंस बैंक बंद होता है तो ऐसे खाताधारकों को पांच लाख रुपए तक की रकम वापस मिल जाएगी जिनकी इससे ज्यादा धनराशि बैंक में जमा होगी।

कैसे लें ऊंची ब्याज दर का फायदा

चूंकि स्माल फाइनेंस बैंक में ब्याज दरें अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा होती हैं इसलिए हर व्यक्ति इसका फायदा उठाना चाहता है लेकिन यहां पर ध्यान देने योग्य बात यह है कि लंबी अवधि यानी पांच साल की एफडी पर स्माल फाइनेंस बैंकों व अन्य कामर्शियल बैंकों की ब्याज दरों में ज्यादा अंतर नहीं है। एक, दो या तीन साल की एफडी पर ब्याज दरें काफी ज्यादा होती हैं। यह दरें अन्य कामर्शियल बैंकों की तुलना में भी ज्यादा ही हैं। इसलिए अगर आप स्माल फाइनेंस बैंक की ऊंची ब्याज दरों का लाभ लेना चाहते हैं तो अपनी रकम को अलग-अलग कम अवधि के लिए और अलग-अलग स्माल फाइनेंस बैंक में जमा करें। इससे आपको ऊंची ब्याज दरों का भरपूर फायदा मिलेगा।

कंपाउंडिंग का लाभ नहीं

अगर कम अवधि की एफडी में पैसे निवेश किए हैं तो कुछ ज्यादा ब्याज तो हासिल कर सकते हैं लेकिन कम अवधि की एफडी में कंपाउंडिंग का फायदा नहीं मिल पाता। कंपाउंडिंग का असली फायदा तो दस साल की एफडी में ही मिल सकता है। लेकिन अगर ज्यादा सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो कम अवधि की एफडी ज्यादा बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। ■

मैनचेस्टर सिटी ने जीता एफए कप

फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। मैनचेस्टर सिटी ने शनिवार को वेम्बली स्टेडियम खेले गए फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर सातवीं बार एफए कप का खिताब जीता।

इससे पहले 2019 में सिटी ने वाटफोर्ड को हराकर खिताब जीता था। आर्सेनल टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वाधिक 14 खिताब जीतने वाला क्लब है। इसके बाद मैन यूनाईटेड 12 खिताबों के साथ दूसरे स्थान पर है। मैच शुरु होने के बाद इल्के गुंडोगन ने सिटी के लिए पहला गोल 16 सेकंड बाद दागा । इसके बाद यूनाइटेड के ब्रूनो फर्नांडीस ने 33वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से स्कोर की बराबरी की। हालांकि, 51 मिनट पर गुंडोगन ने दूसरा गोल दागकर सिटी को एक बार फिर आगे कर दिया। इसके बाद यूनाईटेड वापसी नहीं कर सका।

सिटी तीसरे खिताब से एक कदम दूर

एफए कप में जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी इतिहास में पहली बार 2023 में तिहरा खिताब पूरा करने से सिर्फ एक खिताब दूर हैं। वह कम्यूनिटी शील्ड में प्रीमियर लीग (पीएल) और एफए कप पहले ही जीत चुका हैं। वहीं यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में वह 10 जून को इस्तांबुल के अतातुर्क ओलंपिक स्टेडियम में इंटर मिलान से भिड़ेगा।

मैच देखने पहुंचे गिल और कोहली

एफ कप का फाइनल मुकाबला देखने के लिए भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ स्टेडियम में पहुंचे। इसके अलवा उनके साथ स्टेडियम में शुभमन गिल भी नजर आए।

किपयेगोन ने महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में बनाया विश्व रिकॉर्ड

फ्लोरेंस । कीनिया की फेथ किपयेगोन ने गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। किपयेगोन ने डायमंड लीग की इस प्रतियोगिता में तीन मिनट 49.11 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

वह इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई हैं। दो बार के ओलंपिक चैंपियन और दो बार के विश्व चैंपियन किपयेगोन ने इथियोपिया की गेन्जेबे दिबाबा के 2015 में बनाए गए तीन मिनट 50.07 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा। किपयेगोन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन मिनट 50.37 सेकंड था जो उन्होंने पिछले साल अगस्त में मोनाको में बनाया था।

रहाणे 18-19 महीने बाद खेलेंगे टेस्ट

कहा, आईपीएल और रणजी ट्रॉफी जैसी बल्लेबाजी यहां भी करने का इरादा

लंदन। भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम में जगह मिली हैं। उन्होनें लगभग 18 महीन बाद टेस्ट टीम में वापसी की हैं। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के कारण उन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर कर दिया गया, इसने रहाणे की टेस्ट टीम में वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।

2021 में साउथम्टन में चैंपियनशिप के उद्घाटन संस्करण में न्यूजीलैंड से खिताबी भिड़ंत हारने के बाद यह दूसरा सीधा मौका है जब भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलेगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल सात जून से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंग्लैंड के ओवल में खेला जाएगा। रहाणे इस मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह रणजी ट्रॉफी और आईपीएल जैसी बल्लेबाजी यहां भी करना चाहते हैं। रहाणे को बीते हुए समय को लेकर कोई खेद नहीं है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उसी जज्बे के साथ बल्लेबाजी करना चाहते हैं जैसी उन्होंने आईपीएल में की थी। रहाणे ने भारत के अभ्यास सत्र के दौरान कहा, मैंने 18-19 महीनों के बाद वापसी की है। अच्छा या बुरा जो कुछ भी हुआ, मैं अपने अतीत के बारे में नहीं सोचना चाहता हूं। मैं नए सिरे से शुरुआत करना चाहता हूं और मैंने जो कुछ किया उसे जारी रखना चाहता हूं।उन्होंने कहा, मैं उसी मानसिकता और जज्बे के साथ बल्लेबाजी करना चाहता हूं जैसा मैंने यहां आने से पहले आईपीएल और रणजी ट्रॉफी में की थी। चाहे वह टी20 हो या टेस्ट मैच मैं प्रारूप को लेकर नहीं सोचना चाहता हूं।। मैं अभी जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा हूं उसमें मैं चीजों को जटिल नहीं बनाना चाहता हूं। मैं चीजों को जितना सरल बना कर रखूंगा उतना ही मेरे लिए बेहतर होगा। रहाणे ने कहा, आपको सीखने की प्रक्रिया को जारी रखना है और हर एक दिन एक क्रिकेटर के रूप में एक व्यक्ति के रूप में विकसित होना है।

रहाणे ने की कप्तान रोहित की तारीफ

भारत की तरफ से अभी तक 82 टेस्ट मैचों में 4931 रन बनाने वाले रहाणे की अगुवाई में भारत ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीती थी। उन्होंने वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व कौशल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि टीम संस्कृति बहुत अच्छी है। रोहित टीम को अच्छी तरह से संभाल रहे हैं और राहुल (मुख्य कोच राहुल द्रविड़) भाई भी वास्तव में टीम को अच्छी तरह से आगे बढ़ा रहे हैं। इससे भी मदद मिलती है और टीम का माहौल शानदार है। हर खिलाड़ी एक दूसरे के साथ का पूरा लुत्फ उठा रहा है।

घरेलू क्रिकेट में रहाणे का प्रदर्शन

रहाणे ने आखिरी बार जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भारत के लिए एक टेस्ट खेला था और बाद में खराब फॉर्म के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। वह सितंबर 2022 में दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू करते हुए घरेलू क्रिकेट में मैदान में लौटे, उन्होंने पांच पारियों में 250 रन बनाए, जिसमें पश्चिम क्षेत्र के लिए नाबाद 207 रन भी शामिल थे। रणजी ट्रॉफी में, रहाणे सात मैचों में 634 रन के साथ मुंबई के प्रमुख रन-स्कोरर थे, जिसमें हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक और असम के खिलाफ 191, और 57.63 की औसत से रन शामिल थे।

ओवल में भारत ने सिर्फ दो टेस्ट जीते

भारतीय टीम ने पिछले 87 साल में ओवल मैदान में 14 टेस्ट मुकाबले खेले है, जिसमें दो में जीते जबकि पांच में हार मिली। वहीं सात मैच ड्रॉ खेले हैं। भारत ने 1971 में कप्तान अजीत वाडेकर की अगुआई में इंग्लैंड को हराकर ओवल में पहली जीत दर्ज की थी। उसके बाद 2021 में कोहली की कप्तानी में भारत को दूसरी जीत मिली। भारतीय टीम ने ओवल में अपना पहला टेस्ट 1936 में खेला था जिसमें उसे हार मिली थी। ऑस्ट्रेलिया की टीम को ओवल में पिछले आठ साल से जीत हासिल नहीं हुई है। ऑस्ट्रेलिया ओवल में पिछली बार 2015 में जीता था। पैट कमिंस की टीम ऑस्ट्रेलिया ने पिछले 51 वर्षों में सिर्फ तीन टेस्ट मुकाबले ओवल क्रिकेट मैदान पर जीते हैं। 1972, 2001 और 2015 में उसे यहां जीत हासिल हुई थी।

प्रो लीग: भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया

हरमनप्रीत, मनदीप और सुखजीत ने दागे गोल

लंदन । भारत ने एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन को शूटआउट में 4-2 (4-4) से मात दी। भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (सातवां मिनट), मनदीप सिंह (19वां मिनट), सुखजीत सिंह (27वां मिनट) और अभिषेक ने गोल किये, जबकि ब्रिटेन की ओर से सैम वॉर्ड (आठवां, 40वां, 47वां मिनट, 53वां मिनट) ने चार गोल दागकर मुकाबले को शूटआउट में पहुंचा दिया।

शूटआउट में हालांकि भारत का पलड़ा साफ तौर पर भारी रहा। मेहमान टीम की ओर से मनप्रीत, हरमनप्रीत, ललित और अभिषेक ने गोल किये। ब्रिटेन के लिये कालनन और जैकरी वॉलेस ही गोल कर सके।इस जीत के साथ भारत प्रो लीग तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। हरमनप्रीत की टीम अब यूरोप दौरे का अंत करने से पहले नीदरलैंड के आइंडहोवन रवाना होगी, जहां उसका सामना मेजबान डच टीम और अर्जेंटीना से होगा।

तैराकी प्रतियोगिता में भोपाल की स्वर्णिम शुरुआत

भोपाल। नीमच व भोपाल में 01 से 04 जून तक आयोजित 51वीं राज्य तैराकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन भोपाल ने 3 स्वर्ण, 13 रजत और 8 कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता में अब भोपाल के कुल 11 स्वर्ण, 31 रजत और 23 कांस्य पदक हो गए हैं। वाणी जैन ने दो स्वर्ण और भोपाल की 4 गुणा 50 मीटर मिक्स मेडले रीले टीम ने अंतिम समय में सबको चौंकाते हुए इंदौर को पीछे छोड़ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। व्योम खन्ना ने दो रजत व एक कांस्य जीते। ईशिता परिहार ने दो रजत, अनवी खंडूरी एक रजत व एक कांस्य, अन्वेश सिंह, आर्यन एस गणेश, हिमांशी लीलानी, लावण्या चांद्रायन, नव्या सिंह ने एक-एक रजत, अनन्या एस गणेश, विधि जायसवाल, कृतिशा दानवानी, विजय पटेल प्रत्येक ने एक-एक कांस्य पदक जीते। आदित्य खरे बालक ग्रुप एक में 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में स्वर्ण, हिमांशु लीलानी बालिका ग्रुप -4 में 400 फ्रीस्टाइल में रजत और 50 ब्रेस्ट में कांस्य, अनन्या एस गणेश बालिका ग्रुप एक में 100 बटर फ्लाई में रजत एवं 800 फ्रीस्टाइल में कांस्य, आरना मुरूमकर बालिका -1 में 400 फ्रीस्टाइल एवं 100 बटर फ्लाई में कांस्य पदक जीता। भोपाल की रीले टीम को कुल एक स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य पदक जीते ।

अरेरा प्रीमियर लीग में कपिल देव ने धोनी को हराया

भोपाल। कपिलदेव हाउस की टीम ने अरेरा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे चरण में शनिवार को धोनी हाउस की टीम को आठ विकेट से हराया। कपिलदेव हाउस के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए धोनी हाउस की टीम मात्र 82 रनों पर ढेर हो गई। धोनी हाउस के लिए अंडर-14 एज के अर्जुन शुक्ला ने 48 रन और कप्तान आदित्य उपाध्याय ने 17 की पारी खेली। कपिल देव हाउस के लिए अर्नव पुंढीर ने 7 ओवर में 19 रन देकर 4 विकेट झटके। जवाब में कपिलदेव की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 9.1 ओवर में रणवीर वैध के 28 रन और अदम्य पचौरी के 33 रनों के सहारे दो विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाकर विजयी लक्ष्य हासिल कर किया। धोनी हाउस के लिए दीपक और कृष्णा सरीन ने 1-1 विकेट लिए। पूर्व वरिष्ठ प्लेयर मुकेश भटनागर ने अर्नव सिंह पुंढीर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया।

संयम ने निशानेबाजी विश्वकप में जीता स्वर्ण

सुहल। आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्वकप में शनिवार को भारत की संयम ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। संयम ने आठ महिलाओं के फाइनल में 238 स्कोर किया। भारत की सुरूचि इंदर सिंह 154.1 अंक लेकर छठे स्थान पर रही। संयम क्वॉलीफिकेशन दौर में 571 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर थी जबकि सुरूचि पांचवें स्थान पर रही थी।

पीयू का खेलो यूनिवर्सिटी गेम्स में फिर दबदबा

नोएडा। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) ने एक संस्करण के अंतराल के बाद खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के चैंपियन का ताज पुनः अपने सिर सजा लिया। पीयू ने 26 स्वर्ण, 17 रजत और 26 कांस्य पदक सहित कुल 69 पदकों के साथ खेलों का समापन किया, जबकि जीएनडीयू 24 स्वर्ण, 27 रजत और 17 कांस्य सहित 68 पदक अर्जित कर पहली बार दूसरे स्थान पर रही।

नडाल ने बार्सिलोना में कराई कूल्हे की सर्जरी

नई दिल्ली। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्पेन के राफेल नडाल की शुक्रवार रात बार्सिलोना में बाएं कूल्हे की आथ्रेस्कोपिक सर्जरी की गई। नडाल के प्रवक्ता बेनिटो पेरेज-बारबाडिलो ने कहा कि तीन डॉक्टर इलाज में लगे हुए थे, जो बार्सिलोना में हो रहा था। पेरेज-बारबाडिलो ने कहा कि उन्होंने नडाल के 37वें जन्मदिन शनिवार को ऑपरेशन के बारे में विवरण साझा करने के लिए तैयार रहने की योजना बनाई है। स्पैनियार्ड ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में हार में अपने कूल्हे को चोटिल करने के कारण जनवरी से बाहर है। वह 2004 के बाद पहली बार चल रहे फ्रेंच ओपन से चूक गए, जिसे उन्होंने 14 बार जीता है।

अदिति अमेरिकास ओपन में संयुक्त चौथे स्थान पर

जर्सी सिटी। भारत की अदिति अशोक ने मिजुहो अमेरिकास ओपन गोल्फ में खराब मौसम के बीच खेले गए दूसरे दौर में इवन पार 72 स्कोर किया और संयुक्त चौथे स्थान पर बनी हुई है। अदिति का कुल स्कोर पांच अंडर 139 रहा है। उन्होंने दो बर्डी लगाए लेकिन दो बोगी भी किए, मिंजी ली आठ अंडर 64 और चेयेने नाइट सात अंडर 137 के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं।

सेंट माइकल एकेडमी ने त्रिकोणीय श्रृंखला जीतीं

भोपाल। सेंट माइकल एकेडमी ने शनिवार को उज्जैन में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला जीतीं।

सेंट माइकल क्रिकेट एकेडमी और आईबीएस क्रिकेट एकेडमी के बीच सीरीज का फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें आईबीएस एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवरों मे 142 रनों का लक्ष्य रखा। आईबीएस के लिए आयुष ने 28 रनों का योगदान दिया। सेंट माइकल की तरफ से फरहान और गौरव ने दो-दो विकेट हासिल किए। जवाबी पारी खेलते हुए सेंट माइकल एकेडमी ने फाएज उस्मानी के शानदार 55 रन एवं यश राठौड़ के 40 रनों की वजह से यह मैच अंतिम ओवर में चार विकेट से जीत लिया। फाइनल मैच का पुरस्कार वितरण आईबीएस एकेडमी की प्रिंसिपल शिखा उपाध्याय एवं एमपीसीए के लाइफटाइम मेंबर सलीम खान द्वारा किया गया। इस मौके पर सेंट माइकल क्रिकेट एकेडमी की ऑनर हिबा शकील मोहम्मद तथा सैयद अबान शकील ने टीम को बधाई दी है तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

बेस्ट बॉलर	फरहान
बेस्ट बैट्समैन	शालीन दत्ता
बेस्ट फील्डर	विराट
मैन ऑफ द टूर्नामेंट	फाइज उस्मानी
अपकमिंग प्लेयर	इजहान सिद्दीकी

लक्ष्य थाईलैंड ओपन से बाहर

बैंकॉक । युवा भारतीय शटलर लक्ष्य सेन शनिवार को थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में कुनलावुत वितिदसर्न से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस सीजन के पहले फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहे लक्ष्य ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की, लेकिन पहला गेम जीतने के बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। अपनी घरेलू सरजमीन पर खेल रहे वितिदसर्न ने लक्ष्य को एक घंटे 15 मिनट चले मैच में 13-21, 21-17, 21-13 से मात दी। लक्ष्य की हार के साथ थाईलैंड ओपन में भारत का अभियान समाप्त हो गया है। यह मलेशिया मास्टर्स के बाद ओलंपिक क्वॉलीफिकेशन का दूसरा बैडमिंटन आयोजन है। थाईलैंड ओपन में अर्जित किये गये रैंकिंग अंक पेरिस ओलंपिक 2024 में क्वालीफिकेशन के लिए मान्य होंगे।

हॉकी: भारत ने उज्बेकिस्तान को 22-0 से दी शिकस्त

काकामिगहारा। भारतीय जूनियर हॉकी महिला टीम ने अपने महिला जूनियर एशिया कप 2023 अभियान की जोरदार शुरुआत करते हुए शनिवार को उज्बेकिस्तान को 22-0 से रौंद दिया। भारत की ओर से अन्नू ने सर्वाधिक छह गोल किए। मुमताज खान और दीपिका ने चार-चार गोल किए, जबकि वैष्णवी विट्ठल फालके, सुनेलीता टोपो और दीपिका सोरेंग ने दो-दो गोल जमाये। नीलम और मंजू चौरसिया ने एक-एक गोल का योगदान दिया। मैच खत्म होने से पहले दीपिका (56वां मिनट) और मुमताज (60वां मिनट) ने एक-एक गोल जमाकर मुकाबले का जोरदार अंत किया। भारतीय टीम का अगला मुकाबला सोमवार को मलेशिया से होगा।

जूनियर नेशनल बेसबॉल एवं सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में मेजबान मध्य प्रदेश को राजस्थान ने दी शिकस्त

भोपाल। बेसबॉल एवं सॉफ्टबॉल फेडरेशन इंडिया के तत्वधान में जेएनसीटी खेल मैदान में खेली जा रही दूसरी बीएसएफआई जूनियर नेशनल बेसबॉल एवं सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन बेसबॉल बालक वर्ग और सॉफ्टबॉल बालिका वर्ग के मुकाबले खेले गए। बेसबॉल बालक वर्ग में पुल 2 के मुकाबले में मेजबान मध्यप्रदेश को राजस्थान ने 10-0 के विशाल अंतर से हराकर जीत से शुरुआत की। उत्तराखंड ने जम्मू कश्मीर को 10-0 से हराया। उत्तराखंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया । उत्तराखंड ने शुरुआत से ही अपना दबदबा कायम रखा जम्मू कश्मीर को एक भी रन काउंट करने का मौका नहीं दिया। उत्तराखंड की ओर से दक्ष, कृष्णा, श्याम, राजू, तुषार, चंदन, प्रिंस, सोन, दीपांशु ने अपनी टीम के लिए रन काउंट कर जीत दिला दी। सॉफ्टबॉल बालिका वर्ग में उत्तराखंड ने बेहद ही रोमांचक मुकाबले में पंजाब को 9-7 से हराकर जीत से शुरुआत की। पंजाब की ओर से काजल, प्रिया, सोनी, सिमरन, साक्षी एवं उत्तराखंड की ओर से प्रीति, हिमांशी, अनामिका, अंजली, निशा, नेहा, ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

इंग्लैंड ने आयरलैंड को 10 विकेट से रौंदा

लंदन । इंग्लैंड ने अपने घरेलू सीजन की जोरदार शुरुआत करते हुए शनिवार को एकमात्र टेस्ट मैच में आयरलैंड को 10 विकेट से मात दी। पहली पारी में 352 रन से पिछड़ने के बाद आयरलैंड ने इंग्लैंड के सामने मात्र 11 रन का मामूली लक्ष्य रखा, जिसे इंग्लैंड ने चार गेंदों में हासिल कर लिया। आयरलैंड को मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में 362 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के लिए एंडी मैकब्राइन (86 नाबाद), मार्क एडेयर (88) और हैरी टेक्टर (51) ने जुझारू अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इसके अलावा लोर्कान टकर ने भी 44 रन का योगदान दिया। मैकब्राइन ने आयरलैंड को 362/9 के स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे जैक क्रॉली ने चार गेंदों में तीन चौके लगाकर इंग्लैंड को जीत दिला दी। ओली पोप (205) को पहली पारी में दोहरा शतक बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड अब 16 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी।

कैंपिंग, ट्रेकिंग, पर्वतारोहण, जंगल सफारी के लिए जा सकते हैं नैनीताल

नैनीताल उत्तराखंड का एक खूबसूरत पर्यटक स्थल है। इस शहर को विशेष बनाती है आकर्षक नैनी झील। यह स्थान दर्शकों को शांति और ताजगी की अनुभूति कराता है। यह एक ऐसा स्थान है जहां आपको खूबसूरत नजारे देखने के साथ-साथ शांति और सुकून का एहसास भी होता है। नैनीताल में आपको खूबसूरत पर्वत शिखर, प्राकृतिक झील और सुंदर वन देखने को मिलते हैं। नैनीताल के चारों ओर घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी होता है। यह समय शहर की जलवायु के लिए उपयुक्त होता है। इस समय, झील के चारों ओर फैली ताजगी आपको मदहोश कर देती है। नैनीताल नैनी झील के आस-पास फैला हुआ है। यह झील सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है जहां नैना देवी की पूजा की जाती है। नैनीताल में गर्मियों में आप कैंपिंग, ट्रेकिंग, पर्वतारोहण, जंगल सफारी के लिए आ सकते हैं। इसके अलावा, आप नैनी झील में बोटिंग भी कर सकते हैं। पर्यटक स्थल नैनीताल में स्थित माता नैनी देवी मंदिर सहज ही पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करता है। नैनी झील के उत्तरी किनारे पर स्थित इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि 1880 में भूस्खलन से यह मंदिर नष्ट हो गया था। बाद में इसे फिर से बनाया गया। इस मंदिर में सती के शक्ति रूप की पूजा की जाती है। मंदिर में दो नेत्र हैं जो नैना देवी को दशार्ते हैं। नैनी झील के बारे में मान्यता है कि जब शिव सती की मृत देह को लेकर कैलाश पर्वत जा रहे थे, तब जहां-जहां उनके शरीर के अंग गिरे वहां-वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। इस स्थान पर देवी सती के नेत्र गिरे थे। इसीलिए यहां इस मंदिर की स्थापना की गयी। इस मंदिर में नैना देवी की प्रतिमा के साथ ही भगवान श्री गणेश और काली माता की मूर्तियां भी लगाई गयी हैं। साथ ही पीपल का एक विशाल वृक्ष मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित है जिसके साथ भी कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। यहां लोग मन्नत मांगने आते हैं और पीपल के पेड़ पर इसके लिए लाल चुन्नी या धागा बांधते हैं। मंदिर के आसपास का दृश्य भी बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर के ठीक बाहर तिब्बती बाजार लगता है। नैनीताल के पास एक ताल और है नौकुचियाताल। इस झील के टेढ़े-मेढ़े कुल नौ कोने हैं जिसकी वजह से ही इस झील का नाम नौकुचियाताल पड़ा। चारों तरफ से हरे भरे पहाड़ियों से घिरी यह झील नैनीताल की सभी झीलों में सर्वाधिक गहरी है।

फ्रेंच ओपन झांग झिझेन, एलबर्तो ओलिविएरी, वांग शिन्यू और मिरा आंद्रीवा टूर्नामेंट से बाहर

रूने और रूड ने प्री-क्वॉर्टरफाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। नॉर्वे के कैस्पर रूड और डेनमार्क के होल्गर रूने ने शनिवार को फ्रेंच ओपन में अपने-अपने तीसरे चरण के मुकाबले जीतकर प्री-क्वॉर्टरफाइनल में जगह बनाई। चौथी सीड रूड ने चीन के झांग झिझेन के विरुद्ध पहला सेट हारने के बाद दो घंटे 38 मिनट चले मैच में 4-6, 6-4, 6-1, 6-4 की मजबूत जीत दर्ज कर सीजन की 14वीं क्ले-कोर्ट जीत हासिल की।

छठी सीड रूने ने अर्जेंटीना के गेनारो एलबर्तो ओलिविएरी को सीधे सेटों में 6-4, 6-1, 6-3 से मात दी। अगले चरण में रूड का सामना चीली के निकोलस जैरी से होगा, जो तीसरे चरण में अमेरिका के मार्कस गिरोन को हराकर आ रहे हैं। अगले चरण में रूने का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज या अर्जेंटीना के फ्रांसिस सेरुंडोलो से होगा। महिला वर्ग में गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और अमेरिका की कोको गॉफ ने शीर्ष-16 में प्रवेश किया। इगा ने महिला एकल के तीसरे चरण के मुकाबले में चीन की वांग शिन्यू को 6-0, 6-0 से मात दी। स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन में लगातार 19वीं जीत दर्ज की। गॉफ ने भी मिरा आंद्रीवा को 6-7(7-5), 6-1, 6-1 से हराकर शीर्ष-16 में जगह बना ली। गौफ प्री-क्वार्टरफाइनल में ऐना कैरोलिना श्मीडलोवा या कायला डे से भिड़ेंगी।

वायरल के कारण रिबाकिना टूर्नामेंट से हटीं

कजाखस्तान की चौथी वरीयता प्राप्त एलीना रिबाकिना ने वायरल बुखार के कारण शनिवार को ग्रैंड स्लैम आयोजन फ्रेंच ओपन 2023 से नाम वापस ले लिया। विंबलडन 2022 की चैंपियन रिबाकिना को तीसरे दौर के मैच में स्पेन की सारा सोरिबेस टॉर्मो का सामना करना था, लेकिन बुखार के कारण उन्होंने सारा को वॉकओवर दे दिया। रिबाकिना ने कहा, मैं पिछले दिनों से अच्छा महसूस नहीं कर रही थी। मैं सो नहीं सकी और मुझे बुखार भी था। आज मैंने अभ्यास करने की बहुत कोशिश की लेकिन मेरे हिसाब से सही फैसला यही है कि मैं बाहर हो जाऊं, क्योंकि इस हालत में खेलना बहुत कठिन है। उन्होंने कहा, 'मैं डॉक्टर से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह पैरिस का एक वायरस है।

महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

कर्नाटक के बेलगावी में शनिवार को वट सावित्री पूजा के अवसर पर बरगद के पेड़ के चारों ओर सूती धागे बांधती महिलाएं। गौरतलब है कि प्राचीन परंपरानुसार सावित्री ने यम से अपने पति की दीर्घायु का आशीर्वाद पाया।

अमरनाथ गुफा में पूजा के साथ यात्रा की रस्मी शुरुआत

श्रीनगर, (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा में शनिवार को 'प्रथम पूजा' के साथ ही वार्षिक अमरनाथ यात्रा की रस्मी शुरुआत हो गई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा वीसी के जरिए 'प्रथम पूजा' (पहली पूजा) में शामिल हुए। इस साल तीर्थयात्रा 1 जुलाई से शुरू होगी और 31 अगस्त को समाप्त होगी। पिछले साल यात्रा में करीब तीन लाख श्रद्धालु शामिल हुए थे।

गुफा में पहली पूजा की गई, एलजी वीसी से शामिल हुए

अमरनाथ यात्रा का एप भी जारी: अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) दुनियाभर के लोगों के लिए सुबह और शाम की आरती का सीधा प्रसारण भी करेगा। यात्रा, मौसम और कई सेवाओं का ऑनलाइन लाभ उठाने के लिए अमरनाथ यात्रा का ऐप गूगल प्ले स्टोर पर जारी कराया गया है। ये दो अलग-अलग जगह के विजुअल हैं। पहली फुटेज में बाबा बर्फानी का दरबार है जहां प्रथम पूजा की जा रही है। जबकि दूसरा विजुअल श्रीनगर का है इसमें रत्न मनोज सिन्हा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पूजा में शामिल हुए हैं। ये दो अलग-अलग जगह के विजुअल हैं। पहली फुटेज में बाबा बर्फानी का दरबार है जहां प्रथम पूजा की जा रही है। जबकि दूसरा विजुअल श्रीनगर का है इसमें रत्न मनोज सिन्हा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पूजा में शामिल हुए हैं।

17 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं रजिस्ट्रेशन: अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 17 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से किए जा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अनंतनाग जिले में पहलगाम ट्रैक और गांदरबल जिले में बालटाल दोनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं।

गुरुद्वारों के प्रबंधन को लेकर शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने गुरुद्वारों के कामकाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों और एसजीपीसी बोर्ड के प्रबंधन के तहत गुरुद्वारों को शामिल करने और मामलों पर एक ज्ञापन भी गृह मंत्री को दिया। प्रतिनिधिमंडल का मानना है कि इससे गुरुद्वारों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को इन मामलों में समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया।

बेटी की तरह मिथिला से विदा हुई रामायण की सीता

दरभंगा, (एजेंसी)। रामानंद सागर की 'रामायण' में माता सीता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया और राम का किरदार निभाने वाले एक्टर अरुण गोविल गुरुवार को मिथिलांचल के दरभंगा पहुंचे थे। इस दौरान राम-सीता की झलक पाने के लिए दरभंगा लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। दीपिका ने शनिवार को सोशल मीडिया मिथिला से वापसी के दौरान का एक वीडियो शेयर किया। जिसमें मिथिलांचल की पारंपरिक रस्म के अनुसार वहां से उनकी विदाई , फैन ने उन्हें अपनी बेटी की तरह मिथिला विदा किया।

राहुल गांधी के खिलाफ एक और केस में सुनवाई शुरू

मुंबई, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एक अन्य मानहानि के मामले में शनिवार को महाराष्ट्र की भिवंडी कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। महात्मा गांधी की हत्या के लिए आरएसएस को दोषी ठहराने के आरोप वाले बयान को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पूर्व सांसद राहुल गांधी फिलहाल अमेरिका की यात्रा पर हैं। राहुल गांधी के वकीलों ने उन वकीलों के नाम के साथ एक हलफनामा दायर किया जो मामले में उनकी ओर से पेश होंगे। मुकदमे की सुनवाई के पहले दिन, अदालत ने शिकायतकर्ता राजेश कुंटे का बयान दर्ज किया है।

जापान में चक्रवाती तूफान मावार का कहर, 1 की मौत

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान में चक्रवाती तूफान मावार के कारण हुई मूसलाधार बारिश में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, दो लापता हैं और लगभग 30 अन्य घायल हो गये हैं। मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। एनएचके ब्रॉडकास्टर ने बताया कि ओकिनावा और चिबा प्रान्त में क्रमशः आठ और दो लोग घायल हुए हैं जबकि कानागावा प्रान्त में कुल 12 लोगों को चोटें आई हैं। शिजुओका, तोचिगी, वाकायामा, मी, आइची, यामानाशी और टोक्यो प्रांतों में एक-एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है।

आज का इतिहास

- **1929:** जॉर्ज ईस्टमेन ने पहली रंगीन फिल्म का नमूना पेश किया।
- **1936:** हिन्दी सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्री नूतन का जन्म।
- **1948:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शास्त्री का जन्म।
- **1959:** सी राजगोपालाचारी ने स्वतंत्र पार्टी बनाने की घोषणा की।
- **1997:** दूरसंचार उपग्रह 2डी कक्ष में पहुंचा।
- **2001:** नेपाल के नवनियुक्त नरेश दीपेन्द्र का अस्पताल में निधन, ज्ञानेन्द्र की ताजपोशी के विरोध में हिंसा भड़की, हत्याकांड की न्यायिक जांच के लिए एक आयोग गठित।
- **2003:** डोमीनिक गणराज्य की 18 वर्षीय सुन्दरी एमीलिया वेगा 'मिस यूनीवर्स-2003' बनीं।
- **2005:** लालकृष्ण आडवाणी ने कराची में मोहम्मद जिन्ना को धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति बताया।

एलओसी पर पाक आतंकियों को नहीं देंगे घुसपैठ का मौका

बीएसएफ के आईजी ने कहा

श्रीनगर, (एजेंसी)। गर्मी के दिनों में कश्मीर घाटी में बर्फ के पिघलने के साथ ही नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ बढ़ जाती है। इन आतंकियों की घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियां और अर्द्धसैनिक बल अलर्ट मोड में आ गए हैं। बीएसएफ ने शनिवार को कहा कि बर्फ पिघलने से कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवादियों की घुसपैठ की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन सुरक्षा बलों ने ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है।

नियंत्रण रेखा पर अलर्ट है बीएसएफ: कश्मीर में बीएसएफ के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम नियंत्रण रेखा पर अलर्ट हैं। हम सेना के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्र में प्रभुत्व कायम रखने और घुसपैठ रोधी भूमिका निभाते हैं। कुछ क्षेत्रों में बर्फ पिघलनी शुरू हो गई है, जिससे वहां घुसपैठ की स्थिति बनती है। हम इन क्षेत्रों पर नजर रखते हैं और फिर नए ढंग से अपनी तैनाती करते हैं। उन्होंने कहा कि बर्फ के पिघलने से घुसपैठ की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन हमने ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अपनी तैयारी भी तेज कर दी है।

नशीले पदार्थ और हथियारों की खेप पर पैनी नजर: बीएसएफ के आईजी अशोक यादव ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से घाटी में नशीले पदार्थ और हथियार की खेप भेजने की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए सुरक्षा बल सक्रिय रूप से नियंत्रण रेखा पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सीमा पार से घाटी में नशीले पदार्थों, हथियारों और आतंकवादियों को धकेलने के लिए किए जा रहे प्रयासों से निपटने के लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा होगी शांतिपूर्ण: आगामी अमरनाथ यात्रा के बारे में पूछे जाने पर अशोक यादव ने कहा कि बीएसएफ शांतिपूर्ण तीर्थयात्रा सुनिश्चित करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज से सूरीनाम और सर्बिया की यात्रा पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार से नौ जून के बीच दो देशों सूरीनाम और सर्बिया की यात्रा पर होंगी। उनके साथ इस यात्रा में उपभोक्ता राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति भी शामिल होंगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति छह जून तक सूरीनाम की यात्रा पर रहेंगी, जहां 27 फीसदी भारतीय मूल के लोग हैं। इस दौरान वह भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगी। पिछले साल जब सूरीनाम की राष्ट्रपति चान संतोखि प्रवासी भारतीय सम्मेलन में शामिल होने भारत आई थी तो उन्होंने राष्ट्रपति को सूरीनाम आने का न्यौता दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्म सात से नौ जून के बीच सर्बिया की यात्रा पर रहेंगी।

समान नागरिक संहिता का मसौदा सभी पक्षों को पसंद आने की उम्मीद: देसाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (सीसी) का मसौदा तैयार करने वाली विशेषज्ञ समिति की अध्यक्ष न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने कहा कि समिति ने सभी हितधारकों से बात की है और उन्हें उम्मीद है कि मसौदा सभी पक्षों को पसंद आएगा।

नई दिल्ली में विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी से मुलाकात के बाद देसाई ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड में यूसीसी के मसौदे के संबंध में अभी तक हुए कार्य की जानकारी उनके साथ साझा की। न्यायमूर्ति देसाई ने बताया कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता पर अभी तक शुरुआती विचार-विमर्श का कार्य हो चुका है।

उन्होंने कहा कि यूसीसी पर काफी काम किया जा चुका है और राज्य में समान नागरिक संहिता के सभी हितधारकों से चर्चा की जा चुकी है। इसके अलावा, न्यायमूर्ति देसाई ने बताया कि यूसीसी की उप समितियों ने विभिन्न धर्मों, समुदायों, हितधारकों तथा वर्गों से इस संबंध में विचार-विमर्श किया है।

उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के साथ भी इस संबंध में बैठक कर ली गई है तथा उनके सुझाव प्राप्त कर लिए गए हैं। इससे पहले, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी समिति के हवाले से जानकारी देते हुए कहा था कि समिति यूसीसी पर मसौदा तैयार कर जून के आखिर तक सौंप देगी जिसके बाद उसे लागू करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

ऑपरेशन ब्लूस्टार की 39वीं बरसी से पूर्व स्वर्ण मंदिर के पास बम की अफवाह

अमृतसर, (एजेंसी)। भारतीय सेना के ऑपरेशन ब्लूस्टार की 39वीं बरसी से कुछ ही दिन पहले शनिवार को स्वर्ण मंदिर के पास बम की झूठी कॉल आने से पंजाब पुलिस अलर्ट हो गई और तुरंत बम निष्क्रिय करने वाले एक दस्ते को मौके पर भेजा गया। पुलिस को फोन करने के आरोप में तीन बच्चों सहित चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस को रात करीब एक बजे स्वर्ण मंदिर के पास चार बम रखे जाने की सूचना मिली। ऑपरेशन ब्लूस्टार स्वर्ण मंदिर परिसर में छिपे जरनैल सिंह भिंडरावाले के नेतृत्व वाले उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आदेशित एक सैन्य कार्रवाई थी। ऑपरेशन 1 और 8 जून 1984 के बीच किया गया था। इसमें कई लोगों की जान गई थी और स्वर्ण मंदिर तथा मंदिर परिसर भी क्षतिग्रस्त हो गया था।

Filmi तड़का

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी के 50 साल पूरे

मुंबई। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी के आज 50 साल पूरे हो गये हैं। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की जोड़ी बॉलीवुड में बहुत हिट रही है। अमिताभ और जया ने कई फिल्मों में साथ काम किया है और उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई है। अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी 03 जून 1973 को मुंबई में हुई थी। इस खास दिन पर अमिताभ-जया की बेटी श्वेता बच्चन ने उन्हें बधाई देते हुए एक अनदेखी तस्वीर शेयर की है।

नहीं मिल रहे थे पल्स, जया ने थामा हनुमान चालीसा: अमिताभ बच्चन और जया बच्चन शनिवार को शादी की 50वीं सालगिरह मनाई। इस मौके पर बिग बी ने ब्लॉग के जरिए अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया है। पूरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अमिताभ और जया का रिश्ता एक मिसाल की तरह है। अमिताभ के हर मुश्किल वक्त में जया उनके साथ साए की तरह खड़ी रही हैं। फिल्म कुली की शूटिंग के दौरान बिग बी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। डॉक्टर्स ने उन्हें वेंटिलेटर पर रख कर क्लिनिकली डेड घोषित कर दिया था। डॉक्टर्स ने जया के सामने हाथ खड़े करते हुए कहा कि अब सिर्फ दुआओं से ही उन्हें बचाया जा सकता है। जया तब हाथ में हनुमान चालीसा लेकर प्रार्थना करने में लग गई थीं। बीपी लगभग जीरो थी, पल्स भी नहीं मिल रही थी, लेकिन फिर एक चमत्कार ने उनका एक बार फिर जीवनदान मिल गया।

हॉलीवुड सुपर स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो भारतीय मॉडल नीलम गिल को कर रहे हैं डेट

लंदन, (आरएनएन)। हॉलीवुड सुपरस्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। उनके लव अफेयर्स की लिस्ट काफी लंबी है। थाली के बैंगन की तरह उनका दिल है जो कभी इधर उधर होते रहता है। ऐसे में एक बार फिर एक्टर सुर्खियों में आ गए हैं। उन्हें मंगलवार को लंदन में भारतीय मूल की एक ब्रिटिश मॉडल नीलम गिल के साथ डिनर करते हुए स्पॉट किया गया। तब से ही वो सुर्खियों में बने हुए हैं। इंटरनेट पर एक्टर की लव लाइफ एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। लोगों के जहन में सवाल उठ रहे हैं कि क्या लियोनार्डो को नया प्यार मिल गया है:एक्टर के साथ उनकी मां इरमेलिन इंडेनबिरकेन और उनके कुछ दोस्त भी स्पॉट किए गए। कहा जा रहा है कि दोनों अपना रिश्ता ऑफिशियल करने वाले हैं। एक्टर की मां उनकी गर्लफ्रेंड से मिल चुकी हैं और उन्होंने भी नीलम गिल को अप्रूव कर दिया है।

बड़े ब्रांड के साथ करती हैं काम: बता दें नीलम गिल एक भारतीय हैं। उनका जन्म 27 अप्रैल 1995 को कोवेंट्री, वारविकशायर , इंग्लैंड ,यूनाइटेड किंगडम में हुआ था। वो पेशे से एक मॉडल हैं। उनकी उम्र 28 साल है. उनके दादा दादी पंजाब के रहने वाले थे. नीलम अपने मॉडलिंग करियर में काफी सक्सेसफुल हैं। उन्होंने कई बड़े ब्रांड के साथ काम किया है, जिनमें बरबेरी एबरक्रॉम्बी एंड फिच जैसे अन्य ब्रांड शामिल है।

अभियान चंद्रयान-3 का उद्देश्य चंद्र सतह पर एक सुरक्षित, सॉफ्ट लैंडिंग और रोचक क्षमताओं का प्रदर्शन करना

भारत का खास मिशन: जुलाई में लांच होगा चंद्रयान-3

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जुलाई में चंद्रयान-3 को लॉन्च करेगा। मिशन की तैयारी अपने अंतिम चरण में है। चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक, अंतरिक्ष के क्षेत्र में ये भारत की एक और बड़ी कामयाबी होगी।लॉन्चिंग की तैयारियों में लगी टीम भारत के सबसे भारी रॉकेट, लॉन्च व्हीकल मार्क-3 पर मध्य जुलाई तक लॉन्चिंग के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि असफलता सामान्य बात है। कोई जरूरी नहीं की हर बार हम सफल ही हों, लेकिन बड़ी बात है कि हम इससे सीख लें और आगे बढ़ें। क्या है चंद्रयान-3 अभियानचंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) द्वारा लॉन्च किया जाएगा।

चंद्रयान -3 का लक्ष्य तय

इसरो के मुताबिक, चंद्रयान -3 का उद्देश्य, चंद्र सतह पर एक सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग और रोविंग क्षमताओं का प्रदर्शन करना है। इसके अलावा, इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोग करना और इंटरप्लेनेटरी मिशन के लिए आवश्यक नई तकनीकों का विकास और प्रदर्शन करना भी इसके अहम उद्देश्य हैं।

यह कैसे काम करेगा

चंद्रयान -3 लैंडर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह चंद्रमा में निर्दिष्ट स्थान पर धीरे-धीरे उतर सकता है और रोवर को तैनात कर सकता है, जिसका उद्देश्य चंद्र सतह के इन-सीटू रासायनिक विश्लेषण करना है। प्रणोदन मॉड्यूल लैंडर मॉड्यूल को अंतिम 100 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में ले जाएगा। इस कक्षा में पहुंचने के बाद लैंडर मॉड्यूल और प्रणोदन मॉड्यूल अलग हो जाएंगे। प्रणोदन मॉड्यूल अलग होने के बाद चंद्रमा के चारों ओर कक्षा में रहेगा और संचार रिले उपग्रह के रूप में कार्य करेगा। लैंडर, रोवर और प्रणोदन मॉड्यूल अपने खुद के वैज्ञानिक पेलोड ले जाएंगे। बॉक्स के आकार के लैंडर में चार लैंडिंग पैर, चार लैंडिंग थ्रस्टर, एक सुरक्षित टचडाउन सुनिश्चित करने के लिए कई सेंसर और खतरों से बचने के लिए कैमरे लगाए गए हैं। लैंडर एक एक्स बैंड एंटीना से भी लैस है जो संचार सुनिश्चित करेगा। रोवर आयत के आकार का है और इसमें छह पहिए और एक नेविगेशन कैमरा है।

चंद्रयान-3 की अन्य विशेषताएं

चंद्रयान-3 का लैंडर पांच पेलोड से लैस होगा। ये हैं सी हैंड्राज सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट, इंस्ट्रूमेंट फॉर लूनर सिस्मिक एक्टिविटी (आईएलएसए), लैंगमुइर प्रोब, लेजर रिट्रोरिफ्लेक्टर ऐरे (एलआरए) रोवर, और मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर (आरएएमबीएचए) का रेडियो एनाटॉमी। दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्र सतह पर तापीय गुणों का मापन करेगा; आईएलएसए लैंडिंग साइट के आसपास भूकंपीयता को मापेगा; एलपी प्लाज्मा घनत्व का अनुमान लगाएगा और एलआरए चंद्रमा की गतिशीलता को समझने में मदद करेगा।

यूएस संसद को संबोधित कर मंडेला की बराबरी कर लेंगे पीएम मोदी

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति और रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले महान नेता नेल्सन मंडेला और इस्राइल के पूर्व पीएम यित्झाक राबिन भी दो बार अमेरिकी संसद को संबोधित कर चुके हैं। नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। बता दें कि पीएम मोदी अपने दौरे पर अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित भी करेंगे। ऐसा करते ही वह महान नेता नेल्सन मंडेला की बराबरी कर लेंगे। वहीं पीएम मोदी के अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने को लेकर इंडिया कॉकस के सांसद काफी खुश हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद और इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना ने बताया कि इंडिया कॉकस ने ही हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के सभापति केविन मैक्कार्थी से अपील की थी कि वह पीएम मोदी को सदन के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले 8 जून 2016 को भी अपने अमेरिका दौरे पर अमेरिकी सदन के संयुक्त सत्र को संबोधित कर चुके हैं। अब वह 22 जून को अपने आगामी दौरे पर दूसरी बार अमेरिकी सदन को संबोधित करेंगे।

शाहगंज में डीएम और एसपी ने सुनी फरियाद, समाधान दिवस के मौके कुल 168 मामले आये, 32 का मौके पर किया गया निस्तारण

प्रखर जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में और पुलिस अधीक्षक डॉ० अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में तहसील शाहगंज में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। तहसील दिवस को सम्पूर्ण समाधान दिवस भी कहा जाता है, यह प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होता है। इसका मुख्य उद्देश्य जन शिकायतों और समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण ढंग व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करना होता है। जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने बारी-बारी से शिकायतें सुनी और सम्बन्धित अधिकारी को निस्तारण के निर्देश दिये।

इस दौरान कुल 168 मामले आये जिसमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया और शेष मामलों को सम्बन्धित विभाग को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए सौंप दिया गया। हीरालाल पुत्र रघुनाथ ग्राम भुड़कुड़ही तहसील शाहगंज द्वारा नवीन परती खाते की भूमि के अवैध ढंग से अतिक्रमण करने के संबंध में प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसपर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी शाहगंज को अपने समक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। रामआसरे द्वारा रास्ते के विवाद के संबंध में प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को दिया गया जिस पर जिलाधिकारी ने एस०ओ० शाहगंज को निर्देशित किया कि मौके पर जाकर स्वयं देखें और नियमानुसार कार्यवाही करें। नरेंद्र कुमार यादव द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग इलाहाबाद से शाहगंज पर ग्राम बहवाडीह पर छोटे, बड़े गड्ढे होने के कारण आम जनमानस को समस्या होने के संबंध में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया जिस पर जिलाधिकारी ने पी०डब्ल्यू०डी० अधिकारी को निर्देशित किया कि मौके पर जाकर अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई करें। इस प्रकार जिलाधिकारी महोदय के समक्ष जमीन विवाद, मार्ग, पीएम सम्मान निधि, अतिक्रमण सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई, जिसपर जिलाधिकारी ने अधिकरियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की जांचकर उनको निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि फरियादियों की शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए सभी अधिकारी रुचि लेकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर त्वरित निस्तारण करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पत्थरगडडी तोडने वाले पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० लक्ष्मी सिंह, जिला विकास अधिकारी बी०बी० सिंह, पी०डी० जयकेस त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल, उपनिदेशक कृषि, उपजिलाधिकारी शाहगंज, तहसीलदार शाहगंज सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दबंग पड़ोसी से मिली जान से मारने की धमकी

प्रखर सरपतहां जौनपुर। थाना क्षेत्र के भैंसौली गांव निवासी संदीप पांडेय ने गांव के ही इंद्रमणि और उनके बच्चों द्वारा पुश्तैनी आबादी 249 में हो रहे निर्माण कार्य को रोकने,जान से मारने की धमकी, गाली गलौज का आरोप लगाया है. पीड़ित ने बताया कि उपरोक्त लोग हो रहे निर्माण कार्य को रोकते हैं और मना करने पर मारपीट करने पर आमादा हो जाते हैं.आरोप है कि उक्त लोगों ने उनके चाचा की कनपटी पर कट्टा सटा दिया और जान से मारने की धमकी दिया. पीड़ित ने आरोप लगाया है कि जब थाने पर तहरीर लिखाने के लिए गए तो यह कहा गया कि थानाध्यक्ष मौजूद नहीं है इसलिए आपका प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता और आप किसी बड़े अधिकारी को लिखित रूप से प्रार्थना पत्र देकर शिकायत करें. जान-माल को खतरा बताते हुए शिकायतकर्ता ने शासन- प्रशासन से न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है.सीयूजी नंबर पर फोन के माध्यम से थानाध्यक्ष से जानकारी लेने की कोशिश की गई तो उनकी मोबाइल पहुंच से बाहर बता रही थी जिससे संपर्क नहीं हो सका।

खड़ी ट्रक में घुसा मोटरसाइकिल सवार, एक की मौत, एक गंभीर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय क्षेत्र के अहरौरा जमुई मार्ग पर स्थित भगौती देई नहर के पास शनिवार की देर रात लगभग 9 बजे खड़ी ट्रक में मोटरसाइकिल सवार पीछे से घुस गया जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई दूसरे की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौरा लेकर चली गई। जहां गंभीर रूप से घायल को ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। शनिवार रात को भी भगौती देई नहर पर ट्रकों की लाइन लगी हुई थी। कि इसी बीच अहरौरा से जमुई की तरफ जा रहे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार खड़ी ट्रक में पीछे से घुस गया जिसमें राजन उर्फ राजू पुत्र शिवप्रसाद उम्र लगभग

28 वर्ष निवासी नौगरहवा चुनार की मौके पर ही मौत हो गई वहीं भनटू हरिजन उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र रामचंद्रर निवासी नेवादा थाना अदलहाट गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर पत्थर रखकर जाम लगा दिया मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष कुमुद शेखर सिंह ने जाम हटाकर गाड़ियों को पास कराया और एंबुलेंस से घायल एवं मृतक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौरा भेजा। जहा से पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह चुनार भिजवाया।

मृतक करता था प्राइवेट नौकरी आया था छुट्टी – मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक राजन केरल में कहीं प्राइवेट नौकरी करता था गत दिनों छुट्टी पर आया हुआ और शनिवार को निमंत्रण करने के लिए जा रहा था कि सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई।

वाराणसी में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों ने लोगों को किया जागरूक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में पर्यावरण जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया` इस जागरूकता रैली में एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों ने मनोज कुमार शर्मा, उपमहानिरीक्षक के दिशा निर्देशन में एवं अमित कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी के देखरेख में बढ़ चढ़कर भाग लिया` एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों ने 39 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर के जवानों, ग्रीनपीस नेचर फाउंडेशन सामाजिक संस्था के सदस्यों एवं अन्य संगठनों के साथ मिलकर लहुराबीर, आजाद पार्क से लेकर मैदागिन चौराहे तक पूरे जोश के साथ जागरूकता रैली में शामिल हुए जागरूकता रैली के दौरान पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधों का वितरण भी किया गया` इस अवसर पर 11 एनडीआरएफ

वाराणसी के द्वितीय कमान अधिकारी अमित कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि धरती पर जीवन के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है पर्यावरण संरक्षण वायु, जल और भूमि प्रदूषण को कम करता है` पर्यावरण संरक्षण सभी के सतत विकास के लिए एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसे हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है पर्यावरण के संरक्षण हेतु हम सभी को मिलकर काम करना होगा` प्रकृति में मौजूद संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करने से बचना होगा तथा प्लास्टिक की चीजों के इस्तेमाल से परहेज करना होगा प्रदूषण से बचने के लिए हमें अत्यधिक पेड़ लगाने होंगे ताकि हम आने वाले पीढ़ी को एक स्वच्छ पर्यावरण दे सके।

निःशुल्क प्रसूति एवं स्त्री रोग परामर्श शिविर का अयोजन

प्रखर वाराणसी। रविवार को निशुल्क प्रसूति एवं स्त्री रोग एवं निःसंतान दंपत्ति के लिए परामर्श शिविर का आयोजन चौरा माता मंदिर पर हुआ। यह शिविर जे०पी० मल्टीस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल एवं अथर्व इन्फर्टिलिटी सेंटर, फरीदपुर, वाराणसी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। शिविर में मरीजों की स्वास्थ्य जांच एवं निशुल्क दवा का वितरण कराया गया। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संध्या यादव पूर्व सीनियर रेजिडेंट, बी एच यू एवं अन्य चिकीत्सक टीम द्वारा स्त्री रोगों से जुड़ी समस्याओं के निदान हेतु परामर्श दिया गया। कुल 61 मरीजों में सर्वाधिक 28 महिलाओं में महावारी संबंधी अनियमितताएं पाई गई, 08 महिलाओं में पी०सी०ओ०डी०, 8 महिलाओं में फाइब्रॉराइड तथा 04 मरीजों में ल्यूकोरिया, कुछ मरीजो में बांझपन प्रेगनेंसी के दौरान ब्लडप्रेशर एवं रक्त की कमी आदि समस्याएं देखी गई एवं उचित परार्मश तथा दवा वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त कुछ पुरुष मरीजों का 'इलाज हेतु परामर्श दिया गया। डॉ संध्या ने बताया कि पी०सी०ओ०डी० के कारण

महिलाओं में बांझपन, अनियमित महावारी एवं मोटापा की समस्याएं होती हैं। शिविर में प्रधान घनश्याम यादव, पूर्व प्रधान पन्ना लाल यादव, विभूति नारायण तिवारी, जगदीश यादव, नित्यानंद पांडेय, सैय्यद साजिद अली, मनोज कुमार राव संदीप पटेल आदि बड़ी संख्या में गढ़मान्य नागरिक उपस्थित थे।

निकाली गयी जागरुकता साईकिल रैली

जौनपुर। विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर जनजागरुकता साईकिल रैली को नोडल अधिकारी एनसीडी डा० राजीव कुमार द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली टीबी चिकित्सालय से अम्बेडकर तिराहा होते हुये पुनः चिकित्सालय परिसर पर समाप्त हुई । रैली में छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस वर्ष विश्व साईकिल दिवस की थीम ब्लबसम वित मंसजी पर नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 03 जून को विश्वभर में विश्व साईकिल दिवस मनाया जाता है। साईकिल चलाना स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है ऐसे में साईकिल का जीवन में अहम स्थान है। इससे डीजल, पेट्रोल का कम दोहन के साथ ही शहर का प्रदूषण स्तर भी कम होता है। साईकिल चलाने से वजन कम करने से लेकर मांशपेशियों को मजबूती तथा अच्छा व्यायाम एवं शरीर में रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है साईकिल चलाने वाले लोग मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की बीमारियों से दूर रहते है।

पंचायत भवन मदापुर में 2 माह के अंतराल पर दोबारा चोरी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। विकासखंड जमालपुर के मादापुर ग्राम सभा के पंचायत भवन में चोरों ने किया दुबारा चोरी। पंचायत भवन में रखे कंप्यूटर हार्ड डिक्स प्रिंटर दस कुर्सियां दो वीआईपी कुर्सी के साथ-साथ पंचायत भवन में लगे कैमरा डीवीआर भी चोर उठा ले गए पिछले दो महीनों पूर्व 23 मार्च को इसी पंचायत भवन में कंप्यूटर अन्य सामग्री को चोर उठा ले गए थे जिसका खुलासा अभी तक नही हो पाया चोरी के बाद पंचायत भवन में ग्राम प्रधान विकाश यादव ने एक माह बाद नया कंप्यूटर कुर्सियां प्रिंटर अन्य सामग्री समेत कैमरा लगवाया था बावजूद इसके चोरों ने दुबारा पंचायत भवन का ताला तोड़कर बीती रात चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी की जानकारी सुबह 11:00 बजे मिली है जब पंचायत सहायक किसी कागज का प्रिंट आउट

निकालने के लिए पंचायत भवन पर गया। तब चोरी की जानकारी हुई पंचायत सहायक ने चोरी की सूचना ग्राम प्रधान विकास यादव को दी।जहां पर ग्राम प्रधान ने पहुंचकर मौके से ही डायल 112 को फोन किया फोन की सूचना पर पहुच कर पी आर बी कर्मियों ने मौके का मुआयना कर ग्राम प्रधान से तहरीर लिखकर स्थानीय थाना पर देने को कहा। क्षेत्र के पंचायत भवनों पर हो रहे लगातार चोरियों से पुलिस की रात्रि गश्त पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

ग्रामीणों ने लगाई तालाब बचाने की गुहार

दर्जनों कि संख्या में ग्रामीण पहुंचे एसडीएम कार्यालय

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के गौर ग्राम स्थित एक तालाब को कुछ लोगों

द्वारा विगत कई दिनों से पाटा जा रहा है। जिसके विरोध में कई दर्जन महिलाओं व पुरुषों ने शनिवार को तहसील राजातालाब पर एसडीएम कार्यालय पहुंच उक्त तालाब बचाने को लेकर प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने उक्त तालाब को पाटने से रोकने की मांग रखी। जिस पर एसडीएम ने नायब तहसीलदार व थाना प्रभारी मिजार्मुराद को स्थलीय निरीक्षण कर उचित कार्रवाई का आदेश दिए। ग्रामीण उमेश चंद्र शुक्ला व संतोष उर्फ पप्पू तिवारी बताते हैं कि ग्राम सभा गौर स्थित ग्राम सभा के तालाब को कूट रचित ढंग से इसका रजिस्ट्री करा कर कई दिन से पाटा जा रहा है, साथ ही सिविल कोर्ट वाराणसी में तथ्यों को छुपाकर कृषि भूमि बताकर स्थगन का आदेश भी पारित करा लिया गया है कि ग्रामीण (प्रतिवादीगण) हमारे निर्माण कार्य चारदीवारी निर्माण कार्य एवं मेड़बंदी में हस्तक्षेप ना करें। लेकिन वास्तविक स्थिति में वो कोई निर्माण कार्य नहीं कर रहा है वह अवैध खनन करके डंपर ट्रक द्वारा रात के अंधेरे में मिट्टी गिरा के तालाब को पाट रहा है।

अन्नदाता मंच के प्रर्दशन करते ही पुल का निर्माण कार्य शुरू

प्रखर मिजार्पुर। ओड़ी-भभौरा मार्ग में पड़ने वाले मुर्दहवा नाले पर पिछले दो साल से बन रहे पुल के निर्माण का कार्य काफी धीमी गति से चलने के कारण क्षेत्र की जनता

को काफी परेशानी उठाना पड़ रहा था।जिसको लेकर अन्न दाता मंच द्वारा बरसात से पहले पुल का निर्माण पूरा करने की मांग को लेकर कार्यस्थल पर ही धरना-प्रर्दशन किया गया।शासन के संज्ञान में आते ही कार्यदाई संस्था द्वारा तुरंत पुल के दोनों तरफ मिट्टी डालकर मार्ग को चालू कर दिया गया है,जिससे क्षेत्र के लोगों में आस जग गया है कि पुल के निर्माण का जो बाकी काम बचा है वह भी बरसात से पहले पूरा कर दिया जाएगा।अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह सहित मनोज सिंह, विनोद सिंह,शेखर सिंह, अभिषेक सिंह, राजन गुप्ता, संकठा यादव, बच्चालाल यादव, रहमान, शशि, अमीत, अर्जुन सिंह, मोती सिंह, सुराज सिंह आदि स्थानीय लोगों द्वारा पुल का निर्माण कार्य शुरू किये जाने पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बाकी बचे हुए कार्यो को बरसात पुर्व पुरा किये जाने का आग्रह किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सई नदी बोझनाथ घाट का निर्माणाधीन पुल निरीक्षण करने पहुंचे विधायक

प्रखर महराजगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के भटपुरा रामपुर मार्ग के बोझनाथ घाट पर क्षेत्रीय भाजपा विधायक रमेशचन्द्र मिश्र के अथक प्रयास से 23 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत जारी सेतु का निर्माण शुरू है कार्य धीमी गति की शिकायत पर शनिवार विधायक रमेशचन्द्र ने औचिक निरीक्षण किया ! निर्माण कार्य मे तेजी लाने के सम्बन्धित विभाग को दिसम्बर माह तक पुल कार्य पूर्ण कराये जाने का निर्देश देते हुए विधायक ने कहा कि सई नदी बोझनाथ घाट रास्ते से प्रतिदन सैकडो लोगो की संख्या मे नाव से सई नदी पार करते हुए सोनहिता बहुधंधी बरईपार मछलीशहर तक की कठिन यात्रा करते थे ! बोझनाथ घाटपर सेतु निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर विधान सभा बदलापुर और विधान सभा मुंगराबादशाहपुर दोनो आपस मे जुडेगे जिससे क्षेत्रवासियो का आवागमन सुगम होगा ! निरीक्षण दौरान विधायक के साथ महराजगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष यादवेन्द्र प्रताप सिह लवकुश सुरेश यादव केशरी सिह संदीप सिह संदीप कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे !

शिवपुर से श्रीकृष्णानगर होते हुए उतरेटिया के लिए चलेगी स्पेशल मेंमू ट्रेन

प्रखर बदलापुर (जौनपुर)। विधायक रमेश चंद्र मिश्रा के अथक प्रयास से रेल प्रशासन ने वाराणसी - लखनऊ रेल प्रखण्ड पर उतरेटिया- सुलतानपुर स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 04108 व 04107) को वाया श्री कृष्ण नगर रेलवे स्टेशन होते हुए शिवपुर तक विस्तार किया है। यह ट्रेन 5 जून से उतरेटिया से शाम 5.10 बजे रवाना होकर रात्रि 9.15 श्रीकृष्णा नगर होते हुए रात्रि 11.05 बजे शिवपुर पहुंचेगी। शिवपुर से वापसी में यह गाड़ी शिवपुर से सुबह 4.50 बजे चलकर सुबह 6.15 बजे श्रीकृष्णा नगर होते हुए सुबह 10.20 बजे उतरेटिया पहुंचेगी। 5 जून को सुबह 6.15 बजे विधायक रमेश चंद्र मिश्र के द्वारा इस मेमू ट्रेन को श्रीकृष्णनगर रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

क्रय विक्रय समिति का शपथ ग्रहण 5 जून को

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर । अहरौरा क्रय विक्रय समिति का शपथ ग्रहण 5 जून को सायं काल 4 बजे होगा । उक्त जानकारी देते हुए क्रय विक्रय समिति के अध्यक्ष रामधनी सिंह ने बताया की शपथ ग्रहण से पूर्व साफ सफाई इत्यादि का कार्य सहकारी समिति कराकर तैयारी पूरी कर ली गई है। रविवार को सहकारी समिति पर रामधनी सिंह अध्यक्ष, उपेन्द्र प्रकाश सिंह अरविंद कुमार सिंह ,मनीष सिंह, दीपक सोनकर, अश्वनी पटेल, राजेश पटेल सचिव , शिवश्याम सचिव के साथ बैठक कर तैयारी की रुप रेखा तय की गई और साफ सफाई कराया गया।

नदी में डूबने से दो युवकों की मौत

प्रखर मिजार्पुर। थाना अंतर्गत रैपुरियां गंगा घाट के सामने रविवार को काशी क्षेत्र में स्नान करते समय गहरे पानी में जाने से 20 वर्षीय युवक साहिल गौतम सुल्तानपुर निवासी की मौत हो गई तथा दूसरा साथी सोनू 29 वर्ष की हालत गंभीर होने के कारण अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई । प्राप्त सूचना के अनुसार चार युवक रविवार को प्रातः स्नान करने गंगा नदी में पहुंचे स्नान करते समय चारों गहरे पानी में चले गए बाबू साहनी समेत अन्य दो को ग्रामीण बचाने में कामयाब रहे एक को तुरंत पानी से निकालकर अस्पताल भेजा गया जो रास्ते में ही दम तोड दिया ।थाना चितईपुर द्वारा गोताखोरों को बुलाकर चौथे की तलाश किया गया पर अभी तक उसका कोई पता नहीं चल पाया चारों युवक चितईपुर में इलेक्ट्रॉनिक रिक्शा टोटो की शोरूम में काम करते थे । रविवार को सुबह छुट्टी होने के वजह से नदी में स्नान करने आए थे ।

पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ वाराणसी मंडल द्वारा वाराणसी के महापौर अशोक कुमार तिवारी को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर किया स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ वाराणसी मंडल द्वारा वाराणसी के नवनिर्वाचित महापौर अशोक कुमार तिवारी को बधाई और शुभकामना हेतु नगर निगम कार्यालय,वाराणसी में अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया गया। बधाई देने वालो में भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विशेश्वर राय, पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ के मंडल मंत्री हरि नारायण शर्मा, संगठन मंत्री विकास केशरी, सहायक मंत्री सर्वेश मौर्या, राजीव सिंह,

रंजीत कुमार, राम ब्यास दुबे, मनोज शर्मा, प्रेम शंकर, रंजीत, राजेस कुमार आदि उपस्थित रहे` भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विशेश्वर राय से वार्ता के दौरान लहरतारा, वाराणसी क्षेत्र में शुद्ध पीने योग्य पानी की समस्याओं को लेकर चर्चा हुई उन्होंने इस समस्या से शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं